

विचार बिन्दु

निश्चत मन, भरी थैली से अच्छा है। -अरबी कहावत

निवेश लाने की कवायद एक बार फिर क्या रंग लाएगी!

दीपावली का त्यौहारी मौसम चल रहा है। फ़्राँजाओं में उत्सव का माहौल है। घर और बाज़ार सज रहे हैं। सभी उत्सव के रंग से सराबोर हैं। अधिकशासकों के लिये यह माहौल आभासी होते हुए भी प्यारा है। प्रदेश की सरकार ने भी अपने लिये उत्सव का एक सबब खोज लिया है। अगले महीने आयोजित होने वाले निवेशकों के महासम्मेलन के लिये वह जो तैयारी कर रही है उसे ही, राज्जिग राजस्थान कह कर, उसने उत्सव बना लिया है। इस वर्ष दिसंबर में जयपुर में 'राज्जिग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024' के आयोजन की तैयारी के सिलसिले में मुख्यमंत्री के नेतृत्व में टोलियां विदेशों की यात्राएं करके आई हैं। ऐसे प्रयास नये नहीं हैं। ऐसे कार्यक्रम पहले भी घूम-घाम से आयोजन किये जाते रहे हैं। विडंबना यह है कि इतने उद्यमों के बाद भी चाहा गया निवेश राजस्थान तक नहीं पहुंचता है। निवेश के लिये सम्मेलन होते और करोड़ों रूपयों के निवेश के लिये एमओयू होते और बाद में उनको फ़ाइलों में दफ़न होते सभी ने बार-बार देखा है। प्रदेश को उद्योगों तथा कारोबार का हब बनाने के अनेक बार देखे गये सपनों को फिर देखते हुए यह उद्यम फिर हो रहा है। रेट्टियो पर जयपुर विकास प्राधिकरण का एक विज्ञापन आता है जिसमें एक महिला कहती है कि सुनो जी, जयपुर में हम किसी अच्छी जगह पर प्लॉट क्यों नहीं खरीद लेते। वह ऐसे बोलती है जैसे कोई टॉफी खरीदनी हो। राज्य सरकार को भी शायद ऐसा ही लगता है कि किसी देशी-विदेशी निवेशक के लिये राजस्थान में पैसा लगाना कोई टॉफी खरीदने जैसा काम होगा। यह ध्रम पहले की सरकारों ने भी पाला हुआ था कि दुनिया भर से निवेशकों को जलसे में बुला कर अपनी टॉफी दिखाएँ और निवेशक हमें मालामाल करने दौड़े चले आएँगे। पांच साल के लिये प्रदेश के नियंता बनने वाले राजनेताओं को कौन समझाए कि संभावित निवेशकों को प्रभावी ढंग से आकर्षित करने के लिए, प्रदेश के पास एक सुदृढ़ आधारभूत ढांचा, एक सुविचारित रणनीति तथा उसके लिये एक अच्छे प्रशासन की पुख्ता व्यवस्था होनी चाहिए। ऐसी व्यवस्था करने वाली प्रशासनिक मशीन जब अकर्मण्यता और भ्रष्टाचार के दलदल में धँसी हो तब हम किस प्रकार निवेशकों को पथरो म्धार देस का न्योता दे सकते हैं, और वे इसे क्योंकर स्वीकार करेंगे? यह सवाल पूछा जाना माकूल होगा कि आखिर प्रचार-तंत्र के जरिए, वह भी राजकोष के पैसे से, किसे प्रमित किया जाने का प्रयास किया जा रहा है? बड़े निवेशक, जिन्हें चम्पे-चम्पे की जानकारी होती है, को आकर्षित करने का यदि कोई ख्याल देखा है तो वह खुद ही मुगालते में हैं क्योंकि निवेश करने वाली बड़ी कंपनियां बहुत चतुर होती हैं जिन्हें सिर्फ अपने पैसों, अपने मुनाफे और अपनी सुविधा की चिंता होती है। वे खुद परेशान होने और परेपकार करने के लिये निवेश की मंजिल नहीं तय करती। वास्तविकता तो यह है कि निवेश के लिये प्रयासों का ऐसा माहौल सत्कारुद तैयार आम नागरिकों में अपनी छवि चमकाने के इरादे से करते हैं। विदेश में निवेशकों के साथ दो-तीन दिन की मीटिंगें करके लौटने पर दो उंगलियों से ही फॉर विक्ट्री की आकृति बना कर खड़े नेता के बड़े-बड़े इन्वेस्टमेंट हब के रूप में स्थापित करने की बातें करती रही हैं, मगर उसके लिये जरूरी व्यवस्था का आधारभूत ढांचा बनाने का ठोस प्रयास किसी ने नहीं किया क्योंकि ऐसा नारा से नहीं होता। उसके लिये लंबे समय तक धैर्य से काम करना पड़ता है, और पहले खुद निवेश करना पड़ता है। खुद का यह निवेश स्थानीय मानव संसाधन विकास पर होता है। ऐसा भी नहीं है कि इसे कैसे किया जाए इसकी समझ के लिये बाहर से निवेश लाने की जरूरत हो। हमारी पहली जरूरत है हमारी 80 प्रतिशत गरीब आबादी को अर्थव्यवस्था में भागीदार बनाने के काबिल बनाना। इसके लिये शहरों और गांवों में अच्छी तरह से काम करने वाली नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराना, जिनमें सभी को गुणवत्ता वाली शिक्षा देने और सभी के लिये चिकित्सा और स्वास्थ्य के इंतजाम हो। इसके लिये

एक दो मीटिंगें या रोड़ शो कर लेने से निवेशकों को आकर्षित नहीं किया जा सकता और न उनका भरसा जीता जा सकता है। मेहमान आने पर थोड़े समय के लिये एक सामान्य परिवार जिस प्रकार अपने घर का एक कमरा सजा लेता है वैसा निवेशकों को लुभाने के लिये नहीं किया जा सकता। असली चीज है ईमानदार कार्य-संस्कृति जो हम आजादी के इतने बरसों बाद भी नहीं बना पाए हैं।

हमारी संवैधानिक व्यवस्था में सारा दारोमदार कार्यपालिका पर है जिसने पेशेवर तरीके से ईमानदारी से काम करना कब का छोड़ दिया है। जिस प्रकार फ़र्जी तरीकों से इसमें घुस आए लोगों ने से कुछ पेपर लीक प्रकरणों में पकड़े जा रहे हैं उससे सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि जिस जमीन पर हम निवेश लाने की कल्पनाओं के चोड़े दौड़ते हैं वह जमीन कितनी फिसलन करे है। निवेश कोई लॉलीपॉप नहीं है और न निवेशक नहें बच्चे कि उसे दिखाई और वे भागे-भाग चले आएँ उनके सामने एक स्पष्ट वैल्यू प्रस्ताव और एक परिभाषित मॉडल लेकर जाना पड़ता है। निवेशक हमारी मदद के लिये नहीं आने वाला। उनका लोकसेवा का काम नहीं है। उनके लिये बाजार की मांग और अपने विस्तार की क्षमता महत्वपूर्ण होती है, जिसके आधार पर वे पेशकार को आंकते हैं और फैसेल लेते हैं। वे जमीनी हक्कीकत जानते हैं और प्रचार तंत्र से दिखाई जा रही तस्वीर देख कर निर्णय नहीं लेते। वास्तव में उनमें से ही अनेक निवेशक प्रचार तंत्र के संस्थान खुद चलाते हैं और ज़रत की हक्कीकत जानते हैं। एक दो मीटिंगें या रोड़ शो कर लेने से निवेशकों को आकर्षित नहीं किया जा सकता और न उनका भरसा जीता जा सकता है। मेहमान आने पर थोड़े समय के लिये एक सामान्य परिवार जिस प्रकार अपने घर का एक कमरा सजा लेता है वैसा निवेशकों को लुभाने के लिये नहीं किया जा सकता। असली चीज है ईमानदार कार्य-संस्कृति जो हम आजादी के इतने बरसों बाद भी नहीं बना पाए हैं। ऐसी चीजें खांचों में नहीं होती। उसके लिये पहले हमें अपने आप को पूरी तरह तैयार करना पड़ेगा। ऐसा नहीं हो सकता कि निवेश आएँ तो हम स्वतः ही तैयार होते चले जाएँगे। हमें जिस पहली चीज को याद रखना है वह है कि बिना मानव संसाधन को तैयार किए न प्रदेश का विकास हो सकता है और न निवेश आ सकता है। मानव संसाधन के विकास की पहली सीढ़ी है स्वच्छे लिये समान गुणवत्ता वाली शिक्षा। चीन इसी एक चीज पर अपने को पूरी तरह समाप्त कर आज दुनिया की बड़ी आर्थिक ताकत बना बैठा है।

प्रचार एजेंसियों द्वारा बनाये गये 'राज्जिग राजस्थान' के रंगीन दस्तावेज में कहा गया है कि 2036 तक, इस प्रदेश का शहरी विस्तार कुल जनसंख्या वृद्धि का 73 प्रतिशत हिस्सा हो जाने की उम्मीद है। इस तेज शहरीकरण को समायोजित करने के लिए, और बड़ती शहरी आबादी की बुनियादी ढांचे की मांगों को पूरा करने के लिए अगले 15 वर्षों में विशाल निवेश करने की आवश्यकता होगी। यही पर बड़ा पेच है। हम निवेशकों से अपनी बड़ती शहरी आबादी को आधारभूत सुविधाएं दिलावे के लिये मदद चाहते हैं, मगर वे यहां दान-पुण्य करने को अथवा हमारी मदद करने को आने वाले नहीं हैं। यह बात पिछले दशकों के इसी पिटे-पिटाये रास्ते पर चलके कहीं न पहुंचने के बाद भी हमारे नीति और विधि निर्माताओं की समझ में नहीं या रही है। यह हमारी विडंबना है। राज्य सरकार की प्रस्तुति पृष्ठती है कि निवेश के लिये राजस्थान ही क्यों? इसका जवाब वह खुद ही देती है कि राजस्थान में देश के कुछ सबसे बेहतरीन नियोजित शहर हैं। क्या सच में ऐसा है? राजधानी जयपुर के लिये एक डैंग लाइन बनी थी कि नियोजन जहां परंपरा है। मगर इस नगर में एक की बजाय दो नगर निगम बना देने के बाद भी राजधानी का जैसा हाल बेहाल है वह भारी प्रचार तंत्र से ढांपने से नहीं छुपे जाने वाला। राजस्थान के लोगों ने अपनी मेहनत से अपनी तकदीरें बदली हैं और आज वे देश के नामी-गिरामी औद्योगिक और कारोबारी घराने बने बैठे हैं। लेकिन उनके पुरखों को अपनी घरती छोड़ कर बाहर जाना पड़ा और कमा कर वहीं निवेश करना पड़ा। अपने घर आए भी तो वे दान या परेपकार के लिये आए अथवा अपने सांस्कृतिक रित्तों के कारण आए जो उनकी नहीं पीढी के लिये शायद बहुत अधिक मयाने नहीं रखते। इन्हें भी से एक बजाज घराने के प्रमुख ऐसे ही एक निवेशकों के जलसे में हमारे नेताओं के मुंह पर कह कर जा चुके हैं कि निवेशक आपकी नहीं अपनी जरूरतों के हिसाब से आयेगा। निवेश लाने की यह कवायद नये चुनावों के बाद हर बार होती रहती है। इस बार मुख्यमंत्री भरोसा दिला रहे हैं कि अगले माह के निवेशकों के शिखर सम्मेलन में जो फैसेल होंगे वे आले चार वर्षों में घरती पर नज़र आएँगे। राजस्थान जैसे प्राचीन प्रदेश के वासियों के लिये चार साल कोई लंबी अवधि नहीं है। वे अपनी तकदीर बदलने का इतना इंतजार तो कर ही लेते।

-अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

शीर्ष विद्यालयों के बीच अंतर-विद्यालय तकनीकी प्रतियोगिता का आयोजन

यूनिवर्सिटी ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (यूईएम), जयपुर/कोलकाता द्वारा झुंझुनू अकादमी को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर पुरस्कृत किया गया

झुंझुनू। यूनिवर्सिटी ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (UEM), जयपुर/कोलकाता द्वारा नरबदा भवन, झुंझुनू में जिले के शीर्ष विद्यालयों के बीच सबसे बड़ी अंतर विद्यालयीय तकनीकी प्रतियोगिता CONNECTECH (UEM तकनीकी बोनांजा) का आयोजन किया गया। अंतर-विद्यालयीय तकनीकी प्रतियोगिता CONNECTECH (UEM तकनीकी बोनांजा) कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ यूनिवर्सिटी ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (यूईएम), जयपुर के चाईस चांसलर प्रो. डॉ. बिस्वजाय चटर्जी, रजिस्ट्रार डॉ. प्रदीप कुमार शर्मा, कुशानु बनर्जी, सचिव पांडेय आदि ने मॉ सरस्वती की प्रिया के सामने दीप प्रज्वलित कर किया।

अंतर-विद्यालयीय तकनीकी प्रतियोगिता CONNECTECH (UEM तकनीकी बोनांजा) में ए.बी.एन. सीनियर सेकेंडरी स्कूल, श्री रानी सेइंग जी गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल, शिशु विद्या विहार स्कूल, ज्योति विद्यापीठ, रवीन्द्र पब्लिक स्कूल, झुंझुनू अकादमी, अरविंद पब्लिक स्कूल, ए.बी.एन. एसआर. माध्यमिक विद्यालय, एस.एस. मोदी विद्या विहार, रवीन्द्र पब्लिक स्कूल, जी. बी. मोदी पब्लिक स्कूल, आदि सहित झुंझुनू के अधिकतर टॉप स्कूलों से विज्ञान के छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम में यूनिवर्सिटी ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (यूईएम), जयपुर/कोलकाता द्वारा झुंझुनू अकादमी को अंतर-विद्यालयीय तकनीकी प्रतियोगिता CONNECTECH (UEM तकनीकी बोनांजा) में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर चैंपियन स्कूल व जी.बी. मोदी पब्लिक स्कूल झुंझुनू को उपविजेता स्कूल वर्ष 2024 का खिताब देकर पुरस्कृत किया गया।

अंतर-विद्यालयीय तकनीकी प्रतियोगिता CONNECTECH



झुंझुनू में जिले के शीर्ष विद्यालयों के बीच सबसे बड़ी अंतर-विद्यालय तकनीकी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

(UEM तकनीकी बोनांजा) कार्यक्रम में छात्रों ने पांच स्पर्धाओं NIRMANA - विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता-कक्षा 9 से 12 तक, पाइथागोरस स्टार-मैथ्स टेस्ट-कक्षा 9 और कक्षा 10 तक, PYPHAGORAS - मैथ्स टेस्ट-कक्षा 11 और 12 तक, जिज्ञासा प्रतियोगिता कक्षा-11 से 12 तक व जनरल - विज्ञान प्रतियोगिता कक्षा 9 से 12 में भाग लिया। सभी प्रतियोगिताओं का परिणाम इस प्रकार रहा जिसमें प्रतियोगिता टेक कला में प्रथम पुरस्कार राधिका केडिया, ए.बी.एन. सीनियर सेकेंडरी स्कूल, द्वितीय पुरस्कार लताशा रोहिल्ला श्री रानी सेइंग जी गर्ल्स

सीनियर सेकेंडरी स्कूल, तीसरा पुरस्कार अप्सरा शिशु विद्या विहार स्कूल, वहीं पाइथागोरस प्रो में प्रथम पुरस्कार प्रिया चाहर झुंझुनू अकादमी, द्वितीय पुरस्कार सृष्टि खेतान जी. बी. मोदी पब्लिक स्कूल, तीसरा पुरस्कार महेक जालान जी. बी. मोदी पब्लिक स्कूल, वहीं पाइथागोरस स्टार में प्रथम पुरस्कार अनन्या शर्मा जी. बी. मोदी पब्लिक स्कूल, द्वितीय पुरस्कार अरव सेनी ए.बी.एन. सीनियर सेकेंडरी स्कूल, तीसरा पुरस्कार जी. बी. मोदी पब्लिक स्कूल NIRMANA वहीं विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार सोहा अखतर, वंशिका, कनिका, पायल अरविंद पब्लिक स्कूल,

द्वितीय पुरस्कार सुधांशु जांगिड़ व मोक्ष स्वामी ए.बी.एन. एसआर. माध्यमिक विद्यालय, तीसरा पुरस्कार विनायक सेनी व गुरु अंश एस.एस. मोदी विद्या विहार, झुंझुनू, क्यूरीयोसिटी प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार इंद्रपाल रवीन्द्र पब्लिक स्कूल, द्वितीय पुरस्कार नंदिनी शर्मा झुंझुनू अकादमी, तीसरा पुरस्कार अयितेश झुंझुनू अकादमी वहीं बायो ब्रिलियंस में प्रथम पुरस्कार देवप्रिया ज्योति विद्यापीठ, द्वितीय पुरस्कार हर्ष रवीन्द्र पब्लिक स्कूल, तीसरा पुरस्कार नकुल शर्मा को दिया गया। प्रत्येक कार्यक्रम के लिए प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान हासिल करने वाले छात्रों को यूनिवर्सिटी ऑफ़

इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (यूईएम), जयपुर/कोलकाता की ओर से नकद पुरस्कार के साथ-साथ योग्यता प्रमाण पत्र व स्मृति चिन्ह तथा कार्यक्रम में भाग लेने वाले अन्य छात्रों को भागीदारी प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के रविंद्र मांजू, ऋदय बनर्जी, शुभदीप घोष, पिनकी करमाकर के अलावा एडमिशन विभाग के आशुतोष गौतम, विष्णु जगाका, महेश चौधरी, बाबूलाल शर्मा, अभिषेक शर्मा, शशि कान्त मधुकर, श्याम प्रताप भी शामिल हुए साथ ही कार्यक्रम में पधारें हुए सभी अतिथियों का यूनिवर्सिटी कुलपति प्रो. डॉ. बिस्वजाय चटर्जी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

आयुर्वेद डॉक्टर को 60 साल पर रिटायर करने पर हाइकोर्ट ने गंभीरता से लिया

आदेश की पालना नहीं करने पर आयुर्वेद विभाग के शासन उप सचिव को तलब किया

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान उच्च न्यायालय ने आयुर्वेद विभाग के शासन उप सचिव सावन कुमार चायल को तलब किया और आदेशित किया कि आयुर्वेद की अवज्ञा और दुराग्रही कृत्य के लिए क्यों नहीं उसके खिलाफ उपयुक्त कार्यवाही शुरू की जाए। आयुर्वेद डॉक्टर को कोर्ट के आदेश के बावजूद 60 साल पर रिटायर कर देने पर हाइकोर्ट ने गंभीरता से लिया। रिट याचिका की सुनवाई के दौरान हाइकोर्ट न्यायाधीश फरजंद अली की एकलपीठ ने आदेश जारी किया है।

इंगूरपुर निवासी डॉ. प्रवीण कुमार पांडेया की ओर से अधिवक्ता यशपाल खिलेरी और विनीता चांगल ने रिट याचिका दायर कर बताया कि

राजस्थान उच्च न्यायालय ने आदेशित किया कि आदेश की अवज्ञा और दुराग्रही कृत्य के लिए क्यों नहीं उसके खिलाफ उपयुक्त कार्यवाही शुरू की जाए

याचिकाकर्ता आयुर्वेद विभाग में वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी हैं और आयुर्वेद डॉक्टरों की रिटायरमेंट आयु 60 से 62 वर्ष करने वाले फैसले को सुग्रीम नहीं करने के आदेश दिए थे। बावजूद इस आदेश के, जानबूझकर निर्लज्ज अवज्ञा करते हुए और दुराग्रह से प्रसिद्ध होकर आयुर्वेद विभाग के शासन उप सचिव ने 30 सितंबर 2024 को आदेश जारी कर याचिका को जबरन रिटायर कर दिया। उपनिदेशक, आयुर्वेद विभाग, इंगूरपुर और निदेशक, आयुर्वेद विभाग, अजमेर से निवेदन करने पर उनके द्वारा मौखिक रूप से बताया गया कि कोर्ट के आदेश

के वनिस्पत राज्य सरकार का आदेश मानना जरूरी होता है, इसलिए निवेदन करने के बावजूद और कोर्ट के आदेश का संज्ञान होने के बाद भी याचिका को 30 सितंबर 2024 को जानबूझकर रिटायर कर दिया गया, जिस पर याचिकाकर्ता ने पुनः नई रिट याचिका पेश कर आयुर्वेद विभाग के उप शासन सचिव को कंटेम्प्ट नोटिस जारी कर याचिका को राजकीय सेवा में पुनः वापिस लेने की गुहार लगाई गई। अधिवक्ता खिलेरी ने बताया कि आयुर्वेद विभाग के वर्तमान शासन उपसचिव जो कि राज्य के उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा के विशेष सहायक भी हैं की हठधर्मिता और दुराग्रहिता के कारण हाइकोर्ट द्वारा पारित किसी भी आदेश की पालना नहीं की जा रही है और जानबूझकर

कोर्ट के आदेशों का मझौल उड़ाया जा रहा है और प्रत्येक आदेश की पालना के लिए अवमानना याचिकाएं दायर करनी पड़ रही हैं। याचिकाकर्ता के तर्क और मामले की परिस्थितियों और आदेशों की निर्लज्ज अवज्ञा को देखते हुए हाइकोर्ट न्यायाधीश फरजंद अली की एकलपीठ ने प्रतिवादी संख्या 4 आयुर्वेद विभाग के शासन उप सचिव सावन कुमार चायल को अगली सुनवाई तारीख 18 नवंबर पर न्यायालय के समक्ष व्यक्तिगत उपस्थित रहने के निर्देश देते हुए यह कहा कि उसके खिलाफ उपयुक्त कार्यवाही क्यों न शुरू की जाए। साथ ही याचिकाकर्ता को अतिव्यभिचर पुरःराजकीय सेवा में लेने का भी अंतरिम आदेश दिया।

7 साल के लड़के की बारात खाना होने से पहले पहुंचा प्रशासन

श्रीगंगानगर, (निस्)। गोविंदपुरा/18 जीजी गांव में प्रशासनिक टीम ने बाल विवाह रूकवाया। इस कार्रवाई में ग्राम पंचायत के सरपंच की विशेष भूमिका रही है। दूल्हे की बारात गांव से खाना होने वाली थी। तैयारियां चल रही थी। इसी दौरान प्रशासनिक अमले ने पहुंचकर शादी में कानून का पेंच खड़ा कर दिया। दूल्हा बनाए गए लड़के की आयु शादी के तय नियमों के तहत नहीं थी। वहीं शादी को रूकवा दिया गया।

प्रशासन ने परिवार के सदस्यों को लड़के की शादी 21 साल पूरी होने से पहले नहीं करने को लेकर पकड़ किया

जानकारी के अनुसार चाइलड हेल्थलाइन को 1098 टोल फ्री नंबर पर रिवावर को सूचना मिली थी। कालर ने बताया कि गांव 18

जीजी/गोविंदपुरा में बाल्योक्ति समाज के लोगों द्वारा एक लड़के का बाल विवाह किया जा रहा है। सूचना मिलने पर बाल अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक राजीव जांजड़ के नेतृत्व में बाल अधिकारिता विभाग के निदेशक, आयुर्वेद विभाग, अजमेर से निवेदन करने पर उनके द्वारा मौखिक रूप से बताया गया कि कोर्ट के आदेश

पर पहुंची तो बारात विजयनगर जाने के लिए तैयार थी। टीम द्वारा दूल्हे की आयु की जांचकारी की परिवार से दस्तावेज मांगे गए। दूल्हे के माता-पिता ने आधार कार्ड एवं 10 वीं कक्षा की अंक तालिका को पेश किया। इनमें दूल्हे की जन्मतारीख 21 जून 2007 थी। इस हिसाब से दूल्हे की उम्र 17 साल और चार माह ही थी, जबकि लड़के की शादी की उम्र सरकार की ओर से कम से कम 21 साल तय की हुई है। इस पर परिवार के सदस्यों को

लड़के की शादी 21 साल पूरी होने से पहले नहीं करने को पकड़ किया गया। मौका फर्द बनाकर परिवार व रिश्तेदारों के हस्ताक्षर कवाए गए। बाल कल्याण समिति अध्यक्ष जोगेंद्र कौशिक ने गांव में आंगनवाड़ी कार्यक्रमों, आशा, साथिन और सदर पुलिस के एक कांस्टेबल को निगरानी के निर्देश दिए हैं। कार्रवाई के दौरान हलवाई व टैट वाले को कानून की जानकारी दी, जबकि पंडित मौका पाकर फतार हो गये।



राशिफल

बुधवार 23 अक्टूबर, 2024

कार्तिक मास, कृष्ण पक्ष, सप्तमी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत् 2081, पुनर्वसु नक्षत्र गुरुवार प्रातः 6:16 तक, शिव योग प्रातः 6:59 तक, विष्टि करण दिन 1:24 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 12:02 से कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-तुला, चन्द्रमा-मिथुन, मंगल-कर्क, बुध-तुला, गुरु-वृष, शुक-वृश्चिक, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज रविवार रात्रि 12:42 से प्रातः 6:16 तक है। भद्रा दिन 1:24 तक रहेगी। आज से राष्ट्रीय कार्तिक मास आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:13 तक, शुभ 10:47 से 12:11 तक, चर 2:59 से 4:23 तक, लाभ 4:23 से सूर्यास्त तक। राहुकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 4:35, सूर्यास्त 5:48

मेघ
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बने लगेगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

तुला
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटक हुए कार्य बने लगेगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। नौकरपेशा व्यक्तियों को वार्षिक जन्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

वृश्चिक
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है।

मिथुन
नौकरपेशा व्यक्तियों को बाहर जाना पड़ सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेगे।

धनु
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे।

कर्क
व्यक्तिगत पेशानियों अभी यथावत बनी रहेगी। मन में असंतोष रहेगा। अनावश्यक समय खराब होगा। घर-गृहस्थ के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी।

मकर
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटक हुए कार्य बनने लगेगे। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह
आर्थिक/वित्तिय मामलों में संतुलन बना रहेगा। संभावित धन प्राप्त होगा। नौकरपेशा व्यक्तियों को प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित विवादों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

कन्या
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बने लगेगे। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

मीन
घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। परिवार में वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

ARBIT



जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

Jews Can Defend Themselves

The big change in the world for Jews has been the fact that Jews are no longer unable to defend themselves. For 2,000 years, Jews were always a minority.

Candy Leaf from Assam

Happy Da Dhabha @ Monarch

यू.ए.ई. ने राजस्थान के साथ तीन लाख करोड़ का एम.ओ.यू. किया

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और यू.ए.ई. के निवेश मंत्री सुवैदी ने 60 गीगावॉट की सोलर, विंड व हाइब्रिड परियोजना फाइनल की

जयपुर, 22 अक्टूबर राजस्थान में अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में तीन लाख करोड़ रुपए के निवेश के ऐतिहासिक एम.ओ.यू. पर मंगलवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और यू.ए.ई. के निवेश मंत्री मोहम्मद हसन अल सुवैदी की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए। यह निवेश प्रदेश के पश्चिमी जिलों में 60 गीगावाट क्षमता की सोलर, विंड एवं हाइब्रिड परियोजना की स्थापना के लिए

आधुनिकतम तकनीक का उपयोग करते हुए, एक दीर्घ अवधि की विद्युत परियोजना की स्थापना के माध्यम से प्रदेश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के उद्देश्य से किया गया। इस पहल के अंतर्गत यू.ए.ई. एक योग्य एवं सक्षम डेवलपर की नियुक्ति भी करेगा, जो प्रदेश में शासन-प्रशासन के स्तर पर समन्वय स्थापित कर परियोजना को तेजी से साकार रूप प्रदान करेगा।



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा तथा यू.ए.ई. के निवेश मंत्री मोहम्मद हसन अल सुवैदी की उपस्थिति में राजस्थान में अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में तीन लाख करोड़ रुपए के निवेश के ऐतिहासिक एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर हुए।

- इस परियोजना में अक्षय ऊर्जा से संबंधित आधुनिकतम तकनीक के उपयोग से दीर्घ अवधि विद्युत परियोजना स्थापित की जायेगी। यू.ए.ई. एक योग्य व सक्षम डेवलपर नियुक्त करेगा जो राजस्थान में शासन व प्रशासन के स्तर पर समन्वय स्थापित रखेगा।
- संयुक्त अरब अमीरात सरकार द्वारा सरकारी फंड से तीन लाख करोड़ रुपये का निवेश राजस्थान के लिए बहुत महत्वपूर्ण बात है।

यू.ए.ई. के निवेश मंत्री मोहम्मद हसन अल सुवैदी और उद्योग विभाग के प्रमुख शासन सचिव अजिताभ शर्मा ने इस एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर किए। यह ऐतिहासिक एम.ओ.यू. अक्षय ऊर्जा से संबंधित

मुख्यमंत्री द्वारा राजस्थान समिटि के तहत किए जा रहे प्रयासों से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश में निवेश की विश्वसनीयता बढ़ी है। समिटि के तहत, अब तक निजी बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा निवेश किया जा रहा था। लेकिन अब (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

झारखंड में इंडिया गठबंधन के बीच हुआ सीटों का बंटवारा

बजरंग पुनिया किसान कांग्रेस के वर्किंग चेयरमैन बने

जे.एम.एम. 41, कांग्रेस 29, राजद 9 और वामपंथी पार्टी 2 सीटों पर चुनाव लड़ेंगी

श्रीनंद झा-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो- नई दिल्ली, 22 अक्टूबर। झारखण्ड में इण्डिया ब्लाक का प्रमुख सहयोगी दल, झारखण्ड मुक्ति मोर्चा (जे.एम.एम.) मुश्किल का सामना कर रहा है, क्योंकि, उसके गठबंधन पार्टनर सामर्थ्य से ज्यादा उम्मीद कर रहे हैं। ज्ञातव्य है कि, राज्य की 90 विधानसभा सीटों के लिए सीट शेयरिंग व्यवस्था को अंतिम रूप दे दिया गया है, जिसमें जे.एम.एम. के लिए 41 सीटें, कांग्रेस के लिए 29, आर.जे.डी. के लिए 9 तथा सी.पी.आई.एम.एल. के लिए 2 सीटें हैं। जे.एम.एम. ने 50 सीटों की अपनी पूर्व की मांग को कम कर दिया है, लेकिन लगता है कि इससे कोई लाभ नहीं हुआ है। आर.जे.डी. के मनोज झा के इस कथन से भारी वाद विवाद छिड़ गया कि

- जे.एम.एम. पहले 50 सीटों पर लड़ने वाली थी पर सहयोगी दलों को एडजस्ट करने के लिए उसने 41 सीटों पर संतोष कर लिया।
- पर इससे भी कोई लाभ होता नहीं लग रहा, क्योंकि राजद के मनोज झा ने साफ कह दिया है कि उनकी पार्टी 18 से कम सीटों पर नहीं मानेगी।
- इंडिया गठबंधन की इस तकरार से निस्संदेह राज्य में भाजपा को फायदा होगा।

उनकी पार्टी 18 से कम सीटों पर चुनाव नहीं लड़ेगी। यदि ऐसा हुआ तो इण्डिया ब्लाक का सीट शेयरिंग फार्मूला ठप हो जाएगा। पूर्व में योजना यह थी कि जे.एम.एम. 50 सीटों पर चुनाव लड़ेगा तथा वाम पार्टियों को अपने कोटा में एडजस्ट करेगा और कांग्रेस, 31 सीटों

के अपने कोटा में आर.जे.डी. को एडजस्ट करेगी। कांग्रेस, 29 सीटों के अपने संशोधित कोटा में आर.जे.डी. को समायोजित करने को राजी नहीं है, जबकि आर.जे.डी., जिसने गत विधानसभा चुनावों में केवल एक सीट जीती थी, ने आश्चर्यजनक रूप से बड़ा (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जाल खंबाता-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो- नई दिल्ली, 22 अक्टूबर। पहलवान बजरंग पुनिया, जो हरियाणा विधानसभा चुनावों से पूर्व कांग्रेस में शामिल हुए थे, को ऑल इंडिया किसान कांग्रेस का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है यह जानकारी किसान कांग्रेस के

ऑल इंडिया किसान कांग्रेस के चेयरमैन सुखपाल सिंह खैरा ने ए.आई.सी.सी. मुख्यालय में यह घोषणा की। अध्यक्ष सुखपाल सिंह खैरा ने ए.आई.सी.सी. मुख्यालय पर पत्रकारों से बात करते हुए दी। इस दौरान ए.आई.सी.सी. महासचिव कुमारी सैलजा, पूर्व केन्द्रीय मंत्री चौधरी बिरेन्द्र सिंह और विनेश फोगाट भी मौजूद थे। कार्यक्रम में पुनिया व विनेश का फूलों का गुलदस्ता देकर अभिनंदन किया गया। खैरा ने कहा कि पुनिया किसानों (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जे.पी.सी. की बैठक में बोलत फेंकी गई अध्यक्ष पर

नेपु मित्रल-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो- नई दिल्ली, 22 अक्टूबर वक्फ बोर्ड के सम्बन्ध में मंगलवार को जे.पी.सी. की मीटिंग गर्मा-गर्मी तथा आक्रोश की स्थिति तक पहुँच गई। उत्तेजनापूर्ण स्थिति में पहुँच गई मीटिंग में वस्तुतः खून भी बहा, बोलतें भी टूटीं, तू-तू मैं-मैं भी हुई तथा एक सांसद निलम्बित भी कर दिये गये। टी.एम.सी. सांसद कल्याण बनर्जी जे.पी.सी. की अगली मीटिंग से निलम्बित कर दिये गये हैं क्योंकि उन्होंने

वक्फ बोर्ड के मुद्दे पर गठित जे.पी.सी. की मीटिंग के दौरान तुणमूल सांसद कल्याण बनर्जी काफी उग्र हो गए और उन्होंने अध्यक्ष जगदम्बिका पाल पर बोलत फेंक दी। कल्याण बनर्जी को निलम्बित कर दिया गया है।

जे.पी.सी. के चेयरमैन जगदम्बिका पाल पर काँच की बोलत तक फेंक दी। ऐसा करने में कल्याण बनर्जी के हाथ में चोट लग गई तथा खून बहने लगा। दरअसल, पश्चिम बंगाल के एक भाजपा सांसद के साथ बनर्जी की उत्तेजनापूर्ण बहस हो गई थी, जिसके (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ब्रिक्स सम्मेलन में भारत छाया रहा

हालांकि चीन ने सम्मेलन को अमेरिका एवं पश्चिमी देश विरोधी बनाने की कोशिश की पर भारत एवं रूस ने ऐसा नहीं होने दिया

अंजन राय-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो- नई दिल्ली, 22 अक्टूबर रूस के कजान शहर में आयोजित ब्रिक्स समिटि को रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमिर पुतिन द्वारा सबसे बड़े राजनयिक शक्ति प्रदर्शन के रूप में देखा जा रहा है। गत वर्ष, पुतिन ब्रिक्स मीटिंग में शामिल नहीं हो पाए थे, क्योंकि इन्टरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट ने उनके खिलाफ गिरफ्तारी वॉरंट जारी किया हुआ था। प्रारंभ से ही ब्रिक्स ग्रुप ऑफ नेशन्स के सदस्य के रूप में भारत का इसमें अग्रणी स्थान रहा है तथा जब कई देश, एक प्रमुख कूटनीतिक शक्ति के रूप में उभर रहे भारत को कमजोर करने की कोशिश कर रहे थे, तब भारत को पूर्ण कूटनीतिक समर्थन प्राप्त था। यू.एस. तथा कैनडा, दोनों ही सिख अलगाववादी की हत्या में भारतीय अधिकारियों की संलिप्तता के आरोप लगाकर भारत को परेशान कर रहे थे।

रूस अभी उम्मीद कर रहा है कि अमेरिका में ट्रम्प जीतकर आएंगे। इसके बाद ट्रम्प से दोस्ती अन्तर्राष्ट्रीय मामलों में रूस को उसका उचित स्थान दिलाएगी। भारत के बढ़ते रूतबे ने भारत विरोधी देशों, कैनडा आदि को भी अपना राग बदलने को मजबूर कर दिया है।

जहां, एक तरफ चीन के शी जिनिपिंग ब्रिक्स के सम्मेलन को, अमेरिका के नेतृत्व वाली वैश्विक व्यवस्था के खिलाफ गठबंधन के रूप में पेश करना चाहते हैं, वहीं, पुतिन इसे "पश्चिम विरोधी गठबंधन" के रूप में पेश नहीं कर रहे हैं। ऐसा इसलिए, क्योंकि निकट भविष्य में होने वाले अमेरिका के राष्ट्रपति चुनावों से दो सप्ताह पहले पुतिन, डॉनल्ड ट्रम्प की जीत की उम्मीद को जीवित रखें हैं। यदि ऐसा होता है तो, पश्चिम में कई लोगों का मानना है कि, ब्लादिमिर पुतिन यूक्रेन की राजधानी कीव में बैठे होंगे। यदि ट्रम्प जीतते हैं तो पुतिन अमेरिका के साथ अपने संबंधों को खराब नहीं करना चाहते, जबकि चीन के राष्ट्रपति शी को विश्वास है कि चुनाव के बाद जो भी सत्ता में आएगा, अमेरिका हमेशा की तरह अपना चीन विरोधी कार्ड खेलना जारी रखेगा। अतः चीन के राष्ट्रपति एक पूर्ण पश्चिम विरोधी गठबंधन पर जोर दे रहे हैं, जिसका नेतृत्व शी करना चाहते हैं।

सेबी चीफ माधवी पुरी बुच को केन्द्र सरकार ने क्लीन चिट दी

सरकारी सूत्रों ने कहा कि जांच में माधवी और उसके परिवार के खिलाफ कुछ नहीं मिला

जाल खंबाता-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो- नई दिल्ली, 22 अक्टूबर सरकारी सूत्रों ने संकेत दिये हैं कि सेबी की चेयरपर्सन माधवी पुरी बुच को जाँच-पड़ताल में उनके या उनके परिवार के खिलाफ कुछ भी नहीं पाया गया, तथा इसलिये उनके खिलाफ किसी कार्यवाही की योजना नहीं है। सूत्रों ने यह भी संकेत दिया कि सेबी प्रमुख अपना कार्यकाल पूरा करेगी।

सरकारी सूत्रों ने इंडिया टुडे टी.वी. को बताया कि सिक्यूरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (एस.ई.बी.आई.-सेबी) की चेयरपर्सन माधवी पुरी बुच पर लगाये गये आरोपों की जाँच-पड़ताल में कुछ भी दोषपूर्ण नहीं पाया गया है। सूत्रों ने कहा कि फरवरी, 2025 में समाप्त होने वाला अपना कार्यकाल पूरा करेगी। सूत्रों ने कहा कि जाँच कराय जाना तो इसलिये आवश्यक हो गया था,

सरकारी सूत्रों ने यह भी कहा कि माधवी पर किसी भी किस्म की कार्यवाही की योजना नहीं है, वे अपना कार्यकाल पूरा करेगी, जो फरवरी 2025 में समाप्त हो रहा है। सेबी चीफ पर अमेरिकन शॉर्ट सैलर हिंडन बर्ग ने पद के दुरुपयोग का आरोप लगाया था, इसके बाद कांग्रेस ने माधवी बुच व उनके पति पर हिताँ के टकराव और वित्तीय दूरचरण तथा भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे।

क्योंकि अमेरिकन शॉर्ट-सैलर हिंडनबर्ग रिसर्च तथा कांग्रेस पार्टी ने सेबी-प्रमुख के खिलाफ हिताँ के टकराव (कॉन्फ्लिक्ट ऑफ इंट्रेस्ट) एवं वित्तीय दूरचरण के गम्भीर आरोप लगाये थे। सूत्रों ने कहा कि एजेंसियों से उक्त आरोपों की तह में जाने के लिये कहा गया था। इसके साथ ही, वित्त मंत्रालय ने भी इस मामले की जाँच शुरू कर दी थी। कांग्रेस द्वारा लगाया गया एक

प्रारंभिक आरोप यह था कि बुच द्वारा किये गये रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट्स (आर.ई.आई.टी.) के प्रमोशन से एक वैश्विक निवेश फर्म "ब्लैकस्टोन" का लाभ पहुँचा था तथा इस फर्म से सेबी प्रमुख के पति टुडे हुये थे। विपक्ष ने उन पर यह आरोप लगाया था कि सेबी चेयरपर्सन के रूप में, उन्होंने "ब्लैक स्टोन" को लाभ पहुँचाने के लिये अपने पद का दुरुपयोग किया था। लेकिन आर.ई.आई.टी. सर्व प्रथम

2007 में प्रस्तावित की गई थी तथा उस समय यू.पी.ए. की सत्ता थी। 2016 में, सेबी ने मानकों का सैट जारी किया था। बुच 1 मार्च 2022 को, अजय त्यागी के बाद, सेबी की चेयरपर्सन नियुक्त हुई थीं। सरकारी सूत्रों ने इंडिया टुडे टी.वी. को बताया कि जहाँ बुच को ऐसे महत्वपूर्ण सुधार लागू करने का श्रेय जाता है जिनसे "ब्लैक स्टोन" सहित, विभिन्न ग्लोबल प्लेयर्स प्रभावित हुये थे। सूत्रों ने बुच पर लगाये गये आरोपों को राजनीति-प्रेरित तथा आधारहीन बताया। बुच पर लगाया गया दूसरा आरोप यह था कि उन्होंने आई.सी.आई.सी. आई. बैंक में अपनी पूर्ववर्ती सेवा से प्राप्त आय को उजागर नहीं किया। यह दावा किया गया था कि उन्होंने बैंक से प्राप्त धनराशि की जानकारी सही तरीके से नहीं दी थी। (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उपभोक्ता आयोग ने आई.सी.आई.सी. आई. बैंक की सम्पत्ति कुर्क करने के आदेश दिये

जयपुर, 22 अक्टूबर जिला उपभोक्ता आयोग, क्रम-4 ने आयोग के आदेश के बावजूद, परिवारी को बीमा क्लेम के 9.50 लाख रुपए का ब्याज सहित भुगतान नहीं करने को गंभीरता से लिया है। इसके साथ ही, अदालत ने विपक्षी आई.सी.आई.सी.आई. बैंक

परिवारी को बीमा क्लेम की 9.50 लाख रुपये की राशि मय ब्याज अदा करने के अदालती आदेश की क्रियान्विति नहीं करने के कारण अहिंसा सक्तिल स्थित आई.सी.आई.सी.आई. बैंक की चल-अचल सम्पत्ति कुर्क करने के आदेश दिये गये।

शिवसेना-कांग्रेस सीट बंटवारे में देरी से अफवाहें फैलीं

महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ गठबंधन के नजदीकी न्यूज चैनलों ने उक्त अफवाहों को हवा दी

- एक "अफवाह" के अनुसार केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह और शिवसेना के प्रवक्ता संजय राउत के बीच बैठक हुई। संजय राउत ने ऐसी किसी भी बैठक से इन्कार किया, पर न्यूज चैनल बाद में भी बैठक की न्यूज ही चलाते रहे।
- शरद पवार से मुलाकात के बाद कांग्रेस नेता बालासाहब थोराट ने उत्साह के साथ कहा कि सीटों का गतिरोध जल्दी खत्म हो जाएगा। विवाद वाली सीटें अधिक नहीं हैं। हम जल्द ही उन्हें निपटा लेंगे।

लिये सीट-शेयरिंग को लेकर महा विकास अघाड़ी (एम.वी.ए.) के अन्दरूनी मतभेदों का समाधान करने की कोशिश के तहत, राज्य के कांग्रेस नेताओं ने आज नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एन.सी.पी.-ए.एस.पी.) प्रमुख शरद पवार के साथ मीटिंग की। मीटिंग के बाद, वरिष्ठ कांग्रेस नेता बाला साहेब थोराट ने आशावादी स्वर में

कहा, "गतिरोध का समाधान शीघ्र ही हो जायेगा। (जिन सीटों पर मतभेद हैं), उनकी संख्या बहुत ज्यादा नहीं है। ...हमारे पास समय है। ... हम यह सब जल्दी ही कर लेंगे।" थोराट का यह उस वक्त आया है, क्योंकि एम.वी.ए. पार्टनरों- शिव सेना (यू.बी.टी.), कांग्रेस तथा एन.सी.पी. (एस.सी.पी.) के बीच सीट-वितरण को लेकर तनाव बना हुआ है। रिपोर्टों के अनुसार, एम.वी.ए. गठबंधन के पार्टनरों, खास तौर से कांग्रेस एवं शिव सेना (यू.बी.टी.) के बीच, सीट- शेयरिंग वार्ता में गतिरोध पैदा हो गया है क्योंकि दोनों ही दल प्रमुख विधानसभा क्षेत्रों पर दोनों ही पार्टियों को मान्य आधार दूढ़ने के लिये संघर्षरत हैं। पवार के साथ हुई मीटिंग के बाद,

थोराट ने कहा कि वे अगली मीटिंग शिव सेना (यू.बी.टी.) प्रमुख उद्धव ठाकरे के साथ करेंगे। उन्होंने कहा, "अब मैं वहीं जा रहा हूँ।" हाला ही के दिनों में, असहमतियाँ जोरदार तरीके से उभर कर आई हैं। इस बीच, शिव सेना (यू.बी.टी.) नेता संजय राउत ने सोमवार को दृढ़तापूर्वक कहा कि गठबंधनों के अन्दर समझौते आवश्यक हुआ करते हैं।

मुम्बई में पत्रकारों से बात करते हुये, राउत ने कहा, "हम लोग सालों से राजनीति में हैं, हर पार्टी यह महसूस करती है कि उसके कार्यकर्ता प्रत्याशी बनाये जाने चाहिये। ...लेकिन यह एक गठबंधन है। (गठबंधन में) हर पार्टी को कुछ कुर्बानियाँ देनी पड़ती हैं तथा कदम पीछे

रुखने के लिये सत्तारूढ़ गठबंधन-समर्थक कुछ समाचार चैनल कांग्रेस सूत्रों का हवाला देते हुये ऐसी अफवाहें प्रचलित-प्रसारित कर रहे हैं कि केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह तथा शिव सेना प्रवक्ता संजय राउत के बीच कोई मीटिंग हुई है। जहाँ राउत ने ऐसी किसी भी मीटिंग का खंडन किया है, लेकिन ये समाचार चैनल बड़े दावे के साथ जनता में सन्देह पैदा करने में लगे हुये हैं। इस बीच, आसन्न महाराष्ट्र चुनावों के

राजस्थान हाईकोर्ट ने अदालती आदेश के बावजूद सिपाही को सेवा परिलाभ नहीं देने के कारण अवमानना नोटिस जारी किये।

पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। अवमानना याचिका में अधिवक्ता एल.के. शर्मा ने बताया कि याचिकाकर्ता को सी.आर.पी.एफ. के सिपाही पद से हटा दिया गया था। इस पर उसने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर चुनींती दी थी। हाईकोर्ट ने गत वर्ष 16 मई को आदेश जारी कर याचिकाकर्ता को समस्त सेवा परिलाभ के साथ पुनः सेवा में लेने के आदेश दिए थे। (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

#HEALTH BENEFITS

Candy Leaf from Assam

PKC is connected to inflammatory, autoimmune, endocrine, and cardiovascular illnesses. Stevia suppresses PKC phosphorylation, which alters downstream pathways that cause inflammation, a significant cause of endocrine, metabolic and cardiovascular issues. The study shows Stevia's promise in this field for the first time.



Candy Leaf (*Stevia rebaudiana* (Bertoni) Bertoni), a plant recognized for its natural non-caloric sweetening characteristics, also has therapeutic properties for diseases like endocrine, metabolic, immune, and cardiovascular diseases because of its effect on cellular signalling systems according to a new study. Assam exports Stevia worldwide. The North Eastern Council (Government of India) also highlighted stevia cultivation's potential to help the northeast Indian economy due to high demand and use. At the Institute of Advanced Study in Science and Technology (IASST) in Guwahati, an autonomous institute of Department of Science and Technology, a team of researchers Dr. Asis Bala, Associate Professor, Prof. Ashis K. Mukherjee, Director, and Ms. Piyali Devroy, Research Scholar did pioneering research on Stevia's medicinal properties, effects on cellular signalling mechanisms to prove the Assam's Stevia's therapeutic qualities. Their multimodal strategy integrated network pharmacology with in-vitro and in-vivo techniques, showing that the plant used phosphorylation of Protein Kinase C (PKC) to inhibit a crucial cellular signalling route. PKC is connected to inflammatory, autoimmune, endocrine, and cardiovascular illnesses. Stevia suppresses PKC phosphorylation,

which alters downstream pathways that cause inflammation, a significant cause of endocrine, metabolic and cardiovascular issues. The study shows Stevia's promise in this field for the first time. The study also found that active stevia molecules strongly interact with AMPK, highlighting the need for additional research. This work published in the journal *Food Bioscience* revealed Stevia's potential and identified new targets for immunological endocrine and cardiovascular problems. It could have therapeutic effect on diabetes, type 1, type 2, autoimmune diabetes, pre-diabetes, chronic inflammation related autoimmune disease, rheumatoid arthritis, chronic kidney diseases and cardiovascular diseases like hypertension, vasculopathy and so on. The study illuminates an undiscovered facet of Stevia, underlining the necessity of creative tactics and scientific data to support traditional therapeutic practices.



War Anniversary Month... Jews Can Defend Themselves **PART:1**

For the masses, there is indeed something annoying to people about a group that refuses to fall in line with everyone else. That's one part of it. There are different things in the Muslim world. Again, the refusal to adopt the main faith is part of it. And then, there is another theory which says that it goes back even further, which is Judaism, the religion, and offered the form of the Ten Commandments (which were the first sort of moral rules). People don't like rules and they don't like to behave in a certain way and Jews have been in this theory. I'm not saying that I necessarily agree with it. Jews have been like a guilty conscience to mankind.



Jonathan Freedland. Credit: Philippa Gedge



Shailaza Singh
Published Author,
Poet and a YouTuber

Ever since I met him at the Jaipur Literature Festival this year, it has been an ongoing conversation about a plethora of topics including the year-long raging war between Israel and Palestine and the Jewish community with the award-winning British author and journalist, Jonathan Freedland. He is also a columnist at the Guardian and the host of the Guardian's *Politics Weekly America* Podcast. He also presents *BBC Radio 4's The Long View* and is the author of the award-winning *The Escape Artist: The Man Who Broke Out of Auschwitz to Warn the World*, along with several thrillers under the pseudonym Sam Bourne. He is a past winner of an Orwell Prize for Journalism. When we met at the Jaipur Literature Festival, the very first question that I asked him was about why is there so much hatred for Jews. Hitler persecuted them. They have always been talking about the 'promised land' but their promised land has always been besieged with wars.

Jonathan said, "I don't think the explanation will lie with Jews, but instead, it will lie with the people who hate them. And so have to ask why is it that there has been this hate throughout history. There are all kinds of theories about it. The one that is probably the heart of the matter is that in the Christian world, the Jews stood out for refusing to embrace Christianity and that became very irritating for the followers of Christianity for centuries. It was an irritant to them that there was this group of people, who was refusing to fall in line and the very fact they continued to exist proved that there was another way. For example, in England, the country I am from, the only minority at all in the 12th century in England were Jews. Everybody else was Christian. Today, we're used to minorities. But for many centuries, the only minority in all of Europe, before there were Muslims, for example in Europe, would have been Jews. So, for the

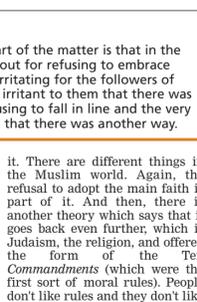
The one that is probably the heart of the matter is that in the Christian world, the Jews stood out for refusing to embrace Christianity and that became very irritating for the followers of Christianity for centuries. It was an irritant to them that there was this group of people, who was refusing to fall in line and the very fact they continued to exist proved that there was another way.

masses, there is indeed something annoying to people about a group that refuses to fall in line with everyone else. That's one part of it. And then, there is another theory which says that it goes back even further, which is Judaism, the religion, and offered the form of the Ten Commandments (which were the first sort of moral rules). People don't like rules and they don't like to behave in a certain way and Jews have been in this theory. I'm not saying that I necessarily agree with it. Jews have been like a guilty conscience to mankind. Jews are around, sort of, saying that you should behave better, you shouldn't kill, you shouldn't commit adultery, etc. according to the rule. Therefore, people would rather not have a voice in their ear saying to behave better. I believe this was also because 5,000 years ago, Judaism was the first religion to insist on these

#ISRAEL PALESTINE WAR



Author Kai Bird with Jonathan Freedland at the Jaipur Literature Festival 2024.



Jonathan Freedland's book, *The Escape Artist: The Man Who Broke Out of Auschwitz to Warn the World*.

people who are not white or people who are brown. It's a very hard thing to explain why prejudices live on. Why do you think Hitler hated the Jews? "Well, he was steeped in anti-Semitism and anti-Jewish racism for centuries. I don't think there's any value in trying to think of there being a rational or logical reason why people hate minorities. They always have." From Hitler's time to this time, when the wars are continuing, what has changed? "The big change in the world for Jews anyway has been the fact that Jews are no longer unable to defend themselves. For 2,000 years, Jews were always a minority who were vulnerable because they never had any means to defend themselves. It's fascinating. In 1947, there were two big partitions

in the world, one that created India and Pakistan and the other one that created Israel. That vote of the United Nations in 1947 said that there should be a Jewish state, and from 1949 onwards, there has been a Jewish state. And now for the first time in 2,000 years, Jews have an army and can defend themselves and that is a very big difference. In the big sweep of Jewish history, that's the big change." So, now that the Jews have a great army and are defending themselves, can it put an end to this hatred in the long run? "No. It has been there for many decades. But it is as strong now. Anti-Semitic attacks in London are high, they're up. More now than in many decades. Same in the United States. So, it has not ended the hatred. But I think it has meant that people, the attitude is different because there is now a place where Jews are defended. Now as it happens, the act of defending themselves has been part of this war between Israel and Hamas, which, of course, has brought out a whole lot more hatred for Israel, and therefore, for people who stand with Israel. So, the ability of Jews to defend themselves has not ended the hatred, it has, in a way, just created a new set of problems." Can you relate some anecdotes that have shaped your writing? "There is this stereotype about Jews that they are miserly with money, that they hold on to money. It goes back a thousand years, actually to the time when Jews were not allowed to do other jobs and the only job that they were allowed to do was to lend money. The king would allow them to collect taxes or lend money. And so, this arose this idea that Jews are somehow mean with money. So, years back, my wife and I, we were a young couple looking to buy our first home in England. We were at a flat that we liked and we asked the agent, who was showing us around, about the price cost. The agent told us the price and said that we could negotiate with the owners of the flat. He said that the owners are



International Snow Leopard Day

Snow Leopards are captivating and powerful animals. However, they are also vulnerable to loss of prey and poaching. These animals are distributed sparsely across 12 different countries in Central Asia. These majestic creatures prowl the mountains with grace and power, their stunning coats blending seamlessly into the snowy landscape. They tend to be found in rugged, high mountain landscapes, at elevations between 3,000 and 4,500 m. The key to protecting this species is raising awareness. That's what International Snow Leopard Day is all about.



Jonathan Freedland speaking at an event.

the noise that a pig makes. It was a very racist thing to say that the people, who owned the flat, would somehow want more money and would behave like animals. It was just a small moment, you know, it came and it went, but it was proof to me that there are still these attitudes. This man didn't know that we were Jewish. We told him we were and he was very embarrassed. It was just a prejudice that just came out of secretiveness." But all the time, you know, even if it's not me personally, there are these stereotypes that, sort of, live on, you know, this idea that Jews operate and conspire in secret networks. And so, I remember once at work, a friend of mine had phoned and left a message with a number, and the colleague who took the number said that one of your networks called. He didn't say one of your friends, he said one of your networks. And he would never say that to somebody else, but the word came to his mind because he knew I was Jewish. And so immediately, he thought Jews have networks as if they are sort of secretive." In India, there are two worlds. In one, there's a caste system where people are treated differently on the basis of their castes, and in the other India, the caste system doesn't matter. It is more cosmopolitan. Is it the same for Jews as well? "I think that's very interesting, what you said about India. Maybe, it is something like that, where both things can exist at once, where on the one hand, you know, you can grow up and live without really encountering these prejudices. On the other, it's there. So, for example, if you go past any Jewish building in London, or Paris, or Berlin, well, I don't know about America, but certainly in Europe, you will always see a security guard outside the door of a Jewish school, a kindergarten even, for three and four-year-old children because even these buildings are prone to attack. If you go to a synagogue or a Jewish house of worship, there has to be security anywhere in the places I've mentioned. We get used to it now, we're just, that's part of life. But that's not there because people want to do it, that's there because they have to do it. There is a security threat. So, these communities are living under threat. I'm not a particularly religious Jew, so I don't wear a cap, but people who do wear a skull cap, are vulnerable in travelling around. Some choose now not to. Even if you just get on with your life, it's there." To be continued...

Jonathan Freedland added that they might squeal a bit. He used the word squeal, which one would use for people who are not white or people who are brown. It's a very hard thing to explain why prejudices live on. Why do you think Hitler hated the Jews? "Well, he was steeped in anti-Semitism and anti-Jewish racism for centuries. I don't think there's any value in trying to think of there being a rational or logical reason why people hate minorities. They always have." From Hitler's time to this time, when the wars are continuing, what has changed? "The big change in the world for Jews anyway has been the fact that Jews are no longer unable to defend themselves. For 2,000 years, Jews were always a minority who were vulnerable because they never had any means to defend themselves. It's fascinating. In 1947, there were two big partitions



Jonathan Freedland in his 20s.

#PUNJABI FOOD FEST

Happy Da Dhabha @ Monarch

So, at the *Happy ka Daba*, you have Paneer cubes and Hara bhara kebab with mild seasoning, keeping in mind the foreign travellers.



Sadhana Garg
Journalist &
Social Entrepreneur

Kahao, Piyo aur Khush Raho says a poster at Happy Singh ka Dhabha. Wait a minute. This is not bustling roadside dhaba but a makeover at Monarch, the fine dining restaurant at Holiday Inn City Center, Bais Godam. The streams of colourful bunting complete the rustic dhabha look for the ongoing Punjabi food Festival. Think Punjab and one thinks of the rich cuisine. Culinary journey for vegetarians is overloaded with dairy products as Punjab has the highest per capita usage of dairy in the country. Obviously, a later addition, Paneer, must have come with the Afghans of the Northwest Frontier as there is no mention of it in Hindu text, despite us having been obsessed with dairy. So, at the Happy ka Daba, you have Paneer cubes and Hara bhara kebab with mild seasoning, keeping in mind the foreign travellers.

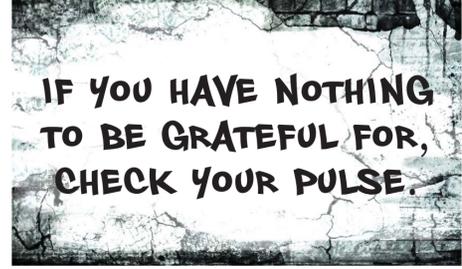
The golgappas with hing, pudina, orange, keri and sweet imilipani were a chaatful beginning to a culinary journey that had been carefully curated for every city foodie. Also, if life is too short to eat bad food, then one should head for this Punjabi food festival. For the vegetarians, other than the food, there was palak kadhi, beans, mughlai dal, paneer lehabdar matar, dhaba style aloo matar and baigan. The food was easy on one's pallet and it was extremely comforting to see that layers of fat and red chillies was missing. The Amrisari Kulcha



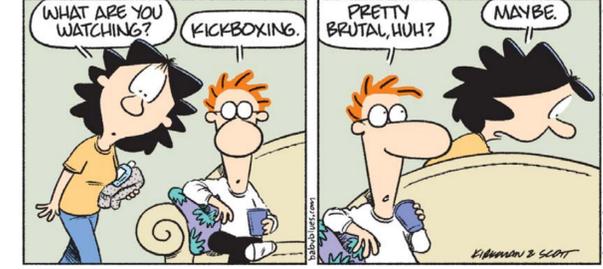
was a delight, spicy yet soft and sans reeking fat. For those, who prefer to go gluten-free, there is Makkai roti and Missy roti. I somewhat longed for the traditional Punjabi Kadhi with deep-fried pakoras, lots of onion and garlic and the Pindi Chanaas, or even the iconic Chola Bhaturs that no matter what age and time of the day, you cannot have enough. Notwithstanding that they are all calorie bombshells. Given a dynamic menu that changes everyday, it was my turn to go without the above Punjabi dishes but the one on the menu of the day were delectable and as good as any to create memories and give calorie counting a miss. And if you think you deserve dessert first, then there was a lavish spread. The Kulli, Badam Halwa and Pinnis, made to look like small laddoos, took serving happiness to another level. The baked boondi, not essentially a Punjabi dessert, was accompanied by many other bakery products and cakes for the contin-

tal travellers. Says Jai Kapoor, a Punjabi foodie, "I had the pleasure of dining at the Holiday Inn for a Punjabi Food Festival, and it was an incredible experience. From the juicy and tender Amrisari Ghost Ke Kabab to the creamy and perfectly balanced Butter Chicken Masala, each dish was crafted with care. The Tandoori Wings were smoky, spicy, and cooked to perfection, while the Mutton Keema Masala was rich and flavourful. I thoroughly enjoyed the Chicken Kaleji, with its distinct blend of spices, and the Golgappas added a refreshing, tangy burst of flavour. The soft, fluffy Amrisari Kulche were the perfect accompaniment, and the Mutton Biryani, with its aromatic rice and tender pieces of mutton, was a true highlight. Overall, every dish was a delightful blend of authentic flavours, making it a memorable and highly satisfying meal." So, go check out the Punjab Da Zaika on Monarch.

THE WALL



BABY BLUES



By Rick Kirkman & Jerry Scott



ZITS



By Jerry Scott & Jim Borgman

मोबाइल टावरों से नेटवर्क डिवाइस चुराने वाली गैंग का खुलासा, आठ गिरफ्तार

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 15 लाख रुपये व करीब दो करोड़ की कीमत के चुराए गए आरआरयू डिवाइस बरामद किए हैं, जिन्हें विदेश में बेचने की फिराक में थे

भोलवाड़ा, (निसं)। शहर की प्रताप नगर थाना पुलिस ने मोबाइल टावर से आरआरयू नेटवर्क डिवाइस चुराने वाली गैंग का खुलासा करते हुए आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया। वहीं पुलिस ने भोलवाड़ा, राजसमन्द, चित्तौड़गढ़ तथा राजस्थान व मध्यप्रदेश की 100 से अधिक वारदातों का भी खुलासा किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 15 लाख रुपये व करीब दो करोड़ की कीमत के चुराए गए डिवाइस बरामद किए हैं, जिन्हें आरोपी विदेश में बेचने की फिराक में थे।

प्रताप नगर थाना प्रभारी गजेन्द्रसिंह नरुका ने बताया कि गत 13 सितंबर को थाने पर इण्डस कमर्सी के सिक्योरिटी सुपरवाइजर राजेन्द्र सिंह ने एक रिपोर्ट दर्ज करवाई कि मानसरोवर झील के पास एयरटेल कमर्सी का टॉवर लगा हुआ है। जिस पर लगे आरआरयू नेटवर्क डिवाइस



पुलिस ने मोबाइल टावर से आरआरयू नेटवर्क डिवाइस चुराने वाली गैंग का खुलासा किया।

चोर चुरा ले गये। इस रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज किया गया। जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेश सिंह ने जिले में बढ़ती मोबाइल टावरों की आरआरयू डिवाइस

चोरी की वारदातों पर अंकुश के लिए एएसपी पारस जैन के निदेशन व डीएसपी सिटी मनीष बड़गुजर के सुपरविजन में एक टीम गठित की।

पुलिस ने प्रकरण की जांच शुरू की। साइबर सेल ने सभी घटनास्थल के 500 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों एवं बीटीएस के विश्लेषण से वारदात में

शामिल गैंग के मुख्य सरगना सहित सभी आरोपियों को नामजद कर गिरफ्तार करने के प्रयास शुरू किए। कड़ी मशकत के बाद गिरफ्तार इस गैंग से छह आरआरयू नेटवर्क डिवाइस बरामद किये गये।

पुलिस ने शिवलाल शर्मा पुत्र गोपाल शर्मा निवासी उदलियास थाना कोटड़ी, नीरज उर्फ गोपाल पुरोहित निवासी ढोकलिया, अनिल पुत्र कैलाश चन्द्र खटीक निवासी आकोला थाना बड़लियास, भंवर खारोल पुत्र धेरू लाल उदलियास, अतुल तिवाड़ी पुत्र गोपाल लाल निवासी ढोकलिया, गौतम शर्मा पुत्र पप्पु लाल ढोकलिया, शिवलाल पुरोहित पुत्र सत्यनारायण ढोकलिया और जित्या निवासी चन्द्रप्रकाश उर्फ रोशन शर्मा पुत्र मूलचन्द को गिरफ्तार कर करीब दो करोड़ की कीमत के चुराए गए डिवाइस बरामद किए हैं, जिन्हें आरोपी विदेश में बेचने की फिराक में थे।

निःशुल्क हेलमेट वितरण किए

जयपुर। सड़क सुरक्षा के महत्व को प्रोत्साहित करते हुए सोमवार को रोड सेफ्टी लाइन द्वारा छठवें निःशुल्क आईएसआई प्रमाणित हेलमेट वितरण शिविर का आयोजन राजा पार्क स्थित भाटिया भवन में किया गया। इस अवसर पर प्रादेशिक परिवहन अधिकारी (प्रथम) राजेंद्र सिंह शेखावत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि समाजसेवी सुभाष आर्य ने कार्यक्रम को प्रायोजित किया। शिविर के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों से रोजगार के लिए शहर आने वाले व्यक्ति और दोपहिया वाहन चलाने का प्रशिक्षण प्राप्त कर रही 15 लड़कियों सहित कुल 100 हेलमेट वितरित किए गए। इस अवसर पर शेखावत ने सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से उपस्थित लोगों को संबोधित किया।

दुष्कर्म के आरोपी को बीस साल का कारावास

जालोर, (कासं)। पाँक्सो न्यायालय के विशिष्ट न्यायाधीश भूपेन्द्र कुमार सनादय ने मंगलवार को नाबालिग से दुष्कर्म करने के आरोपी महेन्द्रसिंह को बीस साल के कारावास की सजा सुनाई।

प्रकरण के अनुसार पीड़िता के भाई ने पुलिस थाना में रिपोर्ट पेश कर बताया कि उसकी नाबालिग बहन महेन्द्र पुत्र जगदीश कुमार विरनोई की मेडिकल की दुकान पर दवाई व सामान खरीदने जाती थी। करीब 6-7 महिने पूर्व उसकी बहन महेन्द्र की दुकान पर दवाई लेने गयी। उस दौरान उसने उसे बहला फुसलाकर दुकान के अंदर ले गया। उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया

और उसका वीडियो बनाकर वायरल करने का डर बताकर उसकी बहन के साथ दो तीन बार दुष्कर्म किया। जिस पर उसकी बहन ने महेन्द्र की दुकान पर जाना बंद कर दिया।

महेन्द्र उसकी बहन पर गंदी नजर रखता था और उसके अकेली देखकर दुष्कर्म करने की नियत से जबरन उनके घर में घुसा व उसकी बहन के साथ जबरन बलात्कार करने लगा। उसकी बहन ने विरोध किया तो उसकी बहन के साथ माजरीपट्टी की। उसकी बहन के चिल्लाने पर उसकी चाची दौड़कर आयी और उसने महेन्द्र से छुड़ाया। इसके बाद उसकी मां भी आ गई तथा

महेन्द्र मौका देखकर भाग गया। उक्त रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी महेन्द्रसिंह को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा।

पुलिस ने बाद अनुसंधान आरोपी पत्र न्यायालय में पेश किया। पाँक्सो न्यायालय के न्यायाधीश भूपेन्द्र कुमार सनादय ने महेन्द्र सिंह को नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने का दोषी मानते हुए बीस साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। वही दस हजार रुपये के अर्धदण्ड से भी दण्डित किया। सरकार की ओर से पैरवी विशिष्ट लोक अभियोजक रणजीतसिंह राजपुरोहित ने की।

28 लाख की बोरिंग मशीन चुराई

अजमेर, (कासं)। अजमेर में चोरों के हौसेले बुलंद होने जा रहे हैं। सूने मकानों के साथ दुकानों के बाहर खड़े वाहन ही अब सुरक्षित नहीं हैं। अज्ञात शक्तिर नकबजनों ने आदर्शनगर थाना क्षेत्र में एक बोरिंग कारोबारी के ऑफिस के बाहर खड़े 22 लाख रुपए कीमत का कम्प्रेसर और 6 लाख रुपए कीमत के ट्रैक्टर को चुरा लिया। पीड़ित ने थाने में मुकदमा दर्ज करवाया है। बोरिंग कारोबारी कमलेश जैन बताया कि आदर्शनगर आड़ी पुलिस के पास उनका ऑफिस है। ऑफिस के बाहर बोरिंग के नए वाहन खड़े थे। सोमवार देर रात को अज्ञात चोर उनके ऑफिस के बाहर खड़े वाहनों को चुराकर ले गए। कारोबारी की शिकायत पर घटना स्थल पर पहुंची पुलिस ने आस पास लगे सीसीटीवी कैमरे खंगले हैं। इलाके के संदिग्ध लोगों पर नजर रखी जा रही है।

सी.ई.टी. (सीनियर सेकेंडरी लेवल) परीक्षा शुरू

जोधपुर/अजमेर, (कासं)। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की ओर से समान पात्रता परीक्षा (सीईटी) सीनियर सेकेंडरी लेवल का आयोजन आज से शुरू हो गया जो 24 अक्टूबर तक किया जाएगा। इन तीन दिनों में यह परीक्षा 2 पारियों में यानि कुल 6 पारियों में आयोजित होगी। पहली पारी सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दूसरी पारी की परीक्षा दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक होगी। जोधपुर में इस परीक्षा के सफल संचालन के लिए कड़े बंदोबस्त किए गए। जोधपुर, जयपुर, अजमेर समेत प्रदेश के 28 जिलों में इस परीक्षा का आयोजन किया गया।

परीक्षा के पहले दिन मंगलवार को विभिन्न परीक्षा केंद्रों से अलग-अलग नजारे देखने को मिले। एंटी के दौरान कड़ी सुरक्षा जांच और अन्य औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद स्टूडेंट्स को प्रवेश दिया गया। महिला परीक्षार्थियों के गहने उतरवा दिए गए, तो कहीं पर सूखे उम्मीदवारों को पूरी बाह की शर्ट होने पर प्रवेश नहीं दिया गया। परीक्षा के पहले दिन



जयपुर के एक केंद्र पर सीईटी परीक्षा देकर बाहर आते परीक्षार्थी।

परीक्षा केंद्र पर सुरक्षा के माकूल इंतजाम देखने को मिले। उम्मीदवारों को कड़ी चैकिंग से गुजरना पड़ा। यहां सुबह साढ़े सात बजे से परीक्षा केंद्र पर एंटी दी गई। इससे पहले उम्मीदवारों की कड़ी चैकिंग की गई। यहां परीक्षा केंद्रों पर महिलाओं

को कान के कुंडल, मंगलसूत्र, बालों की बरौंदा सहित सभी धातु की वस्तुएं बाहर रखवाकर प्रवेश दिया गया। इसी तरह पुरुष उम्मीदवारों को पूरी बांह की शर्ट, कलया उतरवाकर प्रवेश दिया गया।

अजमेर जिला मुख्यालय पर सीईटी परीक्षा शुरू :- राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की ओर से आयोजित सीईटी-2024 (सीनियर सेकेंडरी लेवल) परीक्षा मंगलवार से अजमेर जिला मुख्यालय के 53 परीक्षा केंद्रों पर शुरू हुई। अजमेर के परीक्षा केंद्रों पर करीब 27

कड़ी जांच के बाद एंटी दी, छात्रों के जेवर उतरवाए

हजार 550 परीक्षार्थी पंजीकृत हुए हैं। दो शिफ्टों में आयोजित होने वाली परीक्षा में पहली शिफ्ट में 13 हजार 775 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं। परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा समय से एक घंटे पहले सघन जांच के बाद ही परीक्षार्थियों को प्रवेश दिया गया। सीईटी परीक्षा 2024 मंगलवार को पहली पारी में आयोजित परीक्षा सुबह 9 बजे शुरू हुई। परीक्षार्थियों को सुबह 8 बजे तक ही प्रवेश दिया गया। प्रवेश के दौरान सघन तलाशी के बाद ही प्रवेश दिया गया। इसी प्रकार दूसरी पारी दोपहर 3 से शाम 6 बजे आयोजित की गई। दूसरी पारी में भी दोपहर 2 बजे तक ही प्रवेश दिया गया।

अजमेर में परीक्षा केंद्रों पर निरीक्षण और परीक्षार्थियों पर निगरानी रखने के लिए 9 उडन दस्ते बनाए हैं। नोडल अधिकारी वंदना खोरवाल बताया कि 53 केंद्रों के लिए उडन दस्ते गठित किए गए हैं।

पिकअप के पलटने से तीन घायल

गंभीर रूप से दो घायलों को जयपुर रैफर किया

गंगापुर सिटी, (निसं)। गंगापुर सिटी-जयपुर मेगा हाईवे सड़क मार्ग स्थित कोयला के पास मंगलवार को एक पिकअप की कमानों में से पार्स निकलने से पिकअप पलट गई। हादसे में तीन लोग घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए एम्बुलेंस की सहायता से गंगापुर सिटी के सरकारी अस्पताल पहुंचाया, जहां दो की हालत गंभीर होने पर उन्हें जयपुर रैफर कर दिया।



गंगापुर सिटी के राजकीय चिकित्सालय में घायलों का उपचार किया।

पिपलाई निवासी शहजाद (35), इस्लाम (32) और समीर पिकअप से पिपलाई से गंगापुर सिटी कबाड भरने आ रहे थे। इस दौरान कोयला के पास अचानक पिकअप की कमानों में से पार्स (कटोरी) निकलने से पिकअप पलट गई। जिससे शहजाद, इस्लाम घायल हो गए, जबकि समीर को मामूली चोट आई। इस दौरान घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। बाद में

एम्बुलेंस की सहायता से तीनों को को गंभीर चोट आने पर उन्हें जयपुर रैफर कर दिया। समीर को प्राथमिक इलाज के बाद छुटी दे दी गई।

महेंद्र का शव जोधपुर लाया जाएगा

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर के प्रतापनगर कच्ची बस्ती निवासी रमेश जीनगर के पुत्र महेंद्र राठौड़ की 19 अक्टूबर को अफ्रीका के कांगो शहर में मौत हो गई। परिजनों ने शव जोधपुर मंगवाने के लिए सरकार से गुहार लगाई। वहीं राजस्थान एसोसिएशन ऑफ नॉर्थ अमेरिका न्यूयॉर्क (राना) के अध्यक्ष प्रेम भंडारी को भी पत्र लिखा। इस पर प्रेम भंडारी ने जल्द ही शव जोधपुर भिजवाने को लेकर आश्वस्त किया। भंडारी ने बताया कि इसके लिए उन्होंने विदेश कारोबारी के ऑफिस के बाहर खड़े 22 लाख रुपए कीमत का कम्प्रेसर और 6 लाख रुपए कीमत के ट्रैक्टर को चुरा लिया। पीड़ित ने थाने में मुकदमा दर्ज करवाया है। बोरिंग कारोबारी कमलेश जैन बताया कि आदर्शनगर आड़ी पुलिस के पास उनका ऑफिस है। ऑफिस के बाहर बोरिंग के नए वाहन खड़े थे। सोमवार देर रात को अज्ञात चोर उनके ऑफिस के बाहर खड़े वाहनों को चुराकर ले गए। कारोबारी की शिकायत पर घटना स्थल पर पहुंची पुलिस ने आस पास लगे सीसीटीवी कैमरे खंगले हैं। इलाके के संदिग्ध लोगों पर नजर रखी जा रही है।

मोहन मेघवाल को अंतिम विदाई दी

जोधपुर, (कासं)। पूर्व राज्यमंत्री व भाजपा के वरिष्ठ नेता मोहन मेघवाल को मंगलवार दोपहर अंतिम विदाई दी गई। उनकी पार्थिव देह का अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल सहित कई जनप्रतिनिधि व भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पूर्व राज्यमंत्री मोहन मेघवाल का सोमवार को दोपहर में लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया था। उनकी अंतिम यात्रा प्रतापनगर स्थित यूआईटी कॉलोनी से रवाना होकर सूरसागर बायपास पर स्थित मेघवाल श्मशान घाट गई। उनकी अंतिम यात्रा में कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल, शहर विधायक अतुल भंसाली, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष जगतनारायण जोशी सहित कई भाजपा नेता व कार्यकर्ता शामिल हुए। उन्होंने मोहन मेघवाल के शव को कंधा भी दिया। जानकारी के अनुसार भाजपा के साथ स्थापना के समय से ही जुड़े वरिष्ठ नेता मोहन मेघवाल ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत एक छोटे से कार्यकर्ता के रूप में की थी। वे 1977 में नगर विकास न्यास के सदस्य बनाए गए। इसके बाद वे कई अहम पदों पर रहे। उनके पुत्र और भाजपा के पूर्व जिला महामंत्री महेंद्र मेघवाल ने बताया कि 1980 से 89 तक वे लगातार भाजपा के जिलाध्यक्ष रहे।

समाजसेवी गीगराज सारस्वत की मूर्ति का अनावरण

पंडित गीगराज सारस्वत ने लगभग सौ वर्ष पूर्व इच्छा मृत्यु का वरण किया था



रतनगढ़ में समाजसेवी गीगराज सारस्वत की मूर्ति का विधिवत अनावरण किया गया।

रतनगढ़। समाजसेवी गीगराज सारस्वत की मूर्ति का रतनगढ़ के वार्ड नंबर 28 में स्थित गौदड़ चौक में विधिवत अनावरण किया गया।

पंडित गीगराज ने लगभग सौ वर्ष पूर्व इच्छा मृत्यु का वरण किया था। पंडित पंकज आत्रेय के सानिध्य में अनेक मंत्रों के साथ मुख्य यजमान और उनके प्रपौत्र संजय सारस्वत के बेटे राहुल सारस्वत ने पूजा-अर्चना की व पांच वर्षीय बालिका दर्शिका शर्मा ने विधिवत रूप से मूर्ति का

अनावरण किया। जानकारी के अनुसार स्व. पंडित गीगराज ने अपने जीवनकाल में समाज सेवा के अनेक उल्लेखनीय कार्य किये।

उन्होंने सार्वजनिक धर्मशाला, मंदिर, कुओं सहित गार्थों के लिए पानी-चारे की व्यवस्था के साथ पीपल के अनेक वृक्ष लगाए थे। पंडित सारस्वत गौदड़ नृत्य के बड़े शौकीन थे। यह स्थान वर्तमान में गौरीजी चौक के नाम से प्रसिद्ध है। इस अवसर पर नंद किशोर भार्गव, कुन्दन मल आत्रेय, अनंत राम

माली, ओम प्रकाश टांक, संजय सारस्वत नरेंद्र शर्मा, प्रमोद स्वामी, जगदीश बाबेरवाल, भगवती प्रसाद चोटिया, राजकुमार चौधरी, दिनेश हरितवाल, चुन्नोलाल सारस्वत, अजय सारस्वत, शंभू सारस्वत, ललित आत्रेय सहित अनेक गणमान्यजनों ने पं. सारस्वत के योगदान को याद करते उनकी मूर्ति पर श्रद्धासुमन अर्पित किये। गीगराज के वंशज अजय सारस्वत ने हाल ही आंगनबाड़ी के संचालन के लिए 812 वर्गज भूमि दान में दी थी।

अजमेर में रेजिडेंट डॉक्टरों की हड़ताल से मरीज परेशान

अस्पताल प्रशासन का व्यवस्थाएं सुचारू होने का दावा

अजमेर, (कासं)। गत दो दिनों से रेजिडेंट डॉक्टरों के हड़ताल पर चले जाने से संभाग के सबसे बड़े जवाहर लाल नेहरू अस्पताल में चिकित्सा व्यवस्था लड़खड़ा रही है, तो वहीं अस्पताल प्रशासन का दावा है कि वैकल्पिक व्यवस्थाओं से अस्पताल आने वाले मरीजों के इलाज में हड़ताल का कोई असर नहीं पड़ रहा है, जबकि हकीकत यह है कि अस्पताल में आने वाले मरीजों का परेशानी उठानी पड़ रही है।

रेजिडेंट डॉक्टरों एसोसिएशन के बैनर तले अजमेर संभाग के जेएलएन अस्पताल के सभी रेजिडेंट डॉक्टरों संपूर्ण कार्य बहिष्कार के साथ हड़ताल पर ही। मंगलवार को भी आपातकालीन विभाग के बाहर एकत्रित हुए रेजिडेंट डॉक्टरों ने अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी कर विरोध जताया। एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. दिलराज सूत्रीय मांगों पर सरकार विचार नहीं करेगी, तब तक हड़ताल जारी रहेगी। रेजिडेंट की हड़ताल के चलते अस्पताल के आउटडोर में आने वाले मरीजों को

परेशानी उठानी पड़ रही है। आउटडोर में मरीजों की लंबी-लंबी लाइनें लगी हुईं, चिकित्सक को दिखाने के लिए अपनी बारी का घंटा इंतजार करना पड़ रहा है। जेएलएन अस्पताल अधीक्षक डॉ. अरविंद खरे ने बताया कि एमडी और एमएस के रेजिडेंट हड़ताल पर हैं, जबकि एएसआर, मेडिकल ऑफिसर, जूनियर

रेजिडेंट और फैंकल्टी मैमर्स को व्यवस्थाओं जिम्मेदारी सौंपी गई है। ओपीडी, आईपीडी की व्यवस्थाएं पूर्व की भांति संचालित हैं। ओपीडी में 5 हजार से अधिक मरीजों को चिकित्सकों द्वारा जांच कर दवाई लिखी गई है, जबकि 334 से अधिक मरीजों को भर्ती किया, 45 मेजर और माइनर ऑपरेशन किए गए।

रेजिडेंट डॉक्टरों की हड़ताल जारी, सीनियर डॉक्टरों ने कमान संभाली

जोधपुर, (कासं)। डॉ. एसएन मेडिकल कॉलेज के रेजिडेंट डॉक्टरों की अनिश्चितकालीन हड़ताल मंगलवार को तीसरे दिन भी जारी रही। उन्होंने मंगलवार को भी संपूर्ण कार्य बहिष्कार किया। इस हड़ताल के कारण कॉलेज से संबद्ध एमडीएल, एमजीएच, उमेद व केएन टीबी एंड चैरिटेबल हॉस्पिटल में व्यवस्थाएं पटरी से उतर चुकी है। हालांकि ओपीडी व इमरजेंसी में सीनियर डॉक्टरों ने कार्य संभाला है

लेकिन मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। डॉक्टरों के अभाव में वहां मरीजों की लंबी लाइनें लगी हैं। जानकारी के अनुसार दो माह पहले राज्य सरकार के साथ हुए समझौते की शर्तों की पालना नहीं होने के विरोध में पूरे राजस्थान के सरकारी मेडिकल कॉलेजों के रेजिडेंट डॉक्टर तीन दिन से हड़ताल पर हैं। इसमें जोधपुर के डॉ. एसएन मेडिकल कॉलेज के रेजिडेंट डॉक्टर भी इसमें शामिल हैं।

बिजली विभाग की लापरवाही का दंश झेल रहे एक ही परिवार के तीन बच्चे

बिजली विभाग की लापरवाही से मकानों में फैले करंट से तीन बच्चे झुलस गए थे

अलवर, (निसं)। बिजली विभाग की लापरवाही से मकानों में फैले करंट से एक ही परिवार के तीन बच्चे झुलस गए, जिनमें एक बच्चा तो विकलांग हो गया, वहीं दो बच्चों की जिन्दगी खराब हो चुकी है। गरीब परिवार मुआवजे के लिए पिछले एक साल से भटक रहा है लेकिन उन्हें मुआवजा आज तक नहीं मिला है। ना ही पुलिस ने अभी तक बिजली विभाग के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।



एक ही परिवार के पीड़ित बच्चे।

सावडी ग्राम पंचायत अंतर्गत पड़ने वाले गांव सुकल की राम नगरी कॉलोनी में 23 सितंबर 2023 को विद्युत विभाग की लापरवाही से उमरगाँव जोएसएस की डीपी से 11 हजार केवी का करंट घरों में प्रभावित हो गया जिसके चलते गांव के प्रीमम सिंह पुत्र गोरिलाल जागा के घर में रखे सभी विद्युत उपकरण जल गए उनमें आग लग गई। वहीं तार टूटकर कुलर के पास गिर गया था, वहीं परिवार के तीन बच्चे रघुनंदन, इन्द्रेश और दिव्यांस

खेल रहे थे जो अचानक तार टूटने व घर में आग लगने से घायल गये उनमें से किसी ने कुलर को छु लिया। कुलर को छूते ही बच्चे को करंट ने पकड़ लिया। एक-दूसरे को बचाने में तीनों बच्चे बुरी तरह से झुलस गए जैसे ही परिवार को पता चला तो पास ही खेतों में काम कर रहे परिजन वहां आए और

बिजली विभाग आश्वासन के बाद मुआवजा देने से मुकरा, पुलिस ने एफआईआर दर्ज करार किया

बच्चों को सम्भालें। सूचना मिलते ही अकबरपुर थाना पुलिस और उमरगंज जोएसएस के अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और परिवार को विद्युत विभाग की तरफ से आश्वासन दिया कि आपके सारे खर्च एवं क्षतिपूर्ति विभाग करेगा। आप तो सिर्फ अभी बच्चों के उपचार पर ध्यान दो। अधिकारियों के आश्वासन के बाद परिवार बच्चों की देखभाल में लग गया और वे ठीक होकर घर लौट आए। इस बीच काफी समय गुजर गया। वहीं तीनों बच्चों में से दो बच्चे घर पर मिले, जिसमें रघुनंदन की गर्दन

टेंड़ी हो चुकी है। वह एक पैर से विकलांग एवं मानसिक संतुलन खो बैठा है। वहीं छोटी बच्ची इन्द्रेश जिसके सिर पर करंट ऐसा लगा कि आधे सिर की खाल (त्वचा) ही जला डाली, उसकी अन्य जगह की खाल को सिर पर लगाया गया जिससे उसके सिर पर बाल नहीं हैं।

वहीं तीसरा बच्चा दिव्यांशु कहीं बाहर गया था उसकी भी हालत इसी प्रकार बताई गई है। गरीब जाग परिवार जो मजदूरी करके पेट पालता है उसने पुलिस और बिजली विभाग के अधिकारियों के आश्वासनों के बावजूद लेकिन अभी तक ना तो उन्हें किसी प्रकार का मुआवजा विभाग ने दिया बल्कि गरीब परिवार अधिकारियों के आश्वासन के चलते कर्ज में और डूब गया और अब विभाग के अधिकारी मुआवजे के अन्वये वादे से मुकर गए हैं वहीं सभी समय ज्यादा होने के बाद पुलिस ने भी एफआईआर दर्ज करने से इंकार कर दिया।



महिला पहलवानों के साथ यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था और मामला दिल्ली की अदालत में चल रहा है।

- विनेश फोगाट

भारतीय पहलवान, यह साक्षी मलिका की निजी राय है, मैं उससे सहमत नहीं हूँ।



खेल जगत

आज का खिलाड़ी



केन विलियम्सन

न्यूजीलैंड के बल्लेबाज केन विलियम्सन चोट के कारण भारत के खिलाफ गुरुवार को होने वाले दूसरे टेस्ट में भी नहीं खेलेंगे। विलियम्सन को यह चोट पिछले महीने श्रीलंका दौरे के दौरान लगी थी। उनकी जगह बेंगलुरु टेस्ट में विल यंग ने लिया था। न्यूजीलैंड टीम के कोच गैरी स्टीड ने कहा

क्या आप जानते हैं?... मैक्सिको में हुए 1970 के विश्वकप फुटबॉल में सबसे पहली बार स्थानापन्न खिलाड़ियों और लाल व पीले कार्ड शुरू किये गये।

पुणे में भारत चाहेगा कि उनके स्पिनर कीवी टीम पर हावी रहे

पुणे, 22 अक्टूबर। बेंगलुरु टेस्ट गंवाने के बाद अब भारतीय टीम की पुणे में अगिनपरीक्षा होगी। तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के दूसरे मुकाबले में भारत और न्यूजीलैंड पुणे के मैदान में आमने-सामने होंगे। हालांकि, पुणे की पिच कैसी होगी ये जानना भी बेहद जरूरी है, क्योंकि बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम की पिच वैसी नहीं थी, जैसी टीम इंडिया ने चाही थी।

हालांकि, इसमें पिच क्यूरेटर का कोई दोष नहीं है, क्योंकि बारिश और मौसम की वजह से पिच का मिजाज बदल गया था। लेकिन दूसरे टेस्ट में ऐसा कुछ होने वाला नहीं है। क्रिकेटिंग को रिपोर्ट की मानें तो पुणे में काली मिट्टी की पिच का इस्तेमाल होने वाला है, जहां पर स्पिनरों को खूब मदद मिलेगी, क्योंकि पिच पर घास नहीं होगी। पिच को फ्लैट और स्लोअर तैयार कराया जा रहा है। बाउंस भी गेंद को यहां कम मिलेगा, लेकिन बेंगलुरु की पिच में तेज गेंदबाजों के लिए काफी मदद थी। मैच के पांचवें और खेल के चौथे दिन तक स्पिनरों के लिए कोई खास मदद पिच से नहीं मिली थी, लेकिन पुणे और फिर मुंबई में स्पिनरों को मदद करने



वाली पिचों का इस्तेमाल होगा। हालांकि, मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में लाल मिट्टी की पिच तैयार की जाएगी। वह मुकाबला 1 नवंबर से शुरू होगा।

बेंगलुरु की पिच ने टीम इंडिया को कभी ना भूलने वाला गम दिया, क्योंकि टीम 46 रनों पर ढेर हो गई थी। भारतीय टीम के इतिहास में घर पर सबसे कम स्कोर था। इससे पहले टीम ने 75 रन पर अपने सभी

विकेट खोए थे लेकिन पहली बार टीम 50 का आंकड़ा भी पार नहीं कर सकी। यहां तक कि टीम को 8 विकेट से हार मिली। 36 साल के बाद न्यूजीलैंड के हाथों भारत को हार का सामना करना पड़ा। इस हार का बदला और सीरीज में 1-1 की बराबरी के लिए भारतीय टीम पुणे में भी 3 स्पिनरों के साथ उतरेगी। पिच से भी मदद होगी तो भारत चाहेगा कि उनके स्पिनर यहां कीवी टीम पर हावी रहें।

ऋषभ पंत पुणे टेस्ट खेलेंगे और विकेटकीपिंग भी करेंगे

पुणे, 22 अक्टूबर। टीम इंडिया के असिस्टेंट कोच रेयान टैन डोएशे ने स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की फिटनेस पर बड़ा अपडेट दिया है। रेयान को उम्मीद है कि पंत न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरा टेस्ट खेलेंगे और विकेटकीपिंग भी करेंगे। पंत को पहले टेस्ट में घुटने में चोट लगी थी। फिलहाल भारत तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में 0-1 से पीछे है, भारत को मेहमान टीम ने बेंगलुरु टेस्ट में 8 विकेट से हराया था। रेयान ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि ऋषभ पंत काफी अच्छा है। घुटने की वजह से थोड़ा असहज लग रहा था लेकिन अब ठीक है। उम्मीद है कि वह पुणे टेस्टे विकेटकीपिंग करेगा।

बता दें कि, पंत बेंगलुरु टेस्ट के दूसरे दिन विकेटकीपिंग करते समय चोटिल हुए थे। रविंद्र जडेजा की गेंद उनके ऑपरेशन वाले घुटने पर लगी, जिसके बाद मैदान से बाहर जाना पड़ा। उन्होंने फिर मैच के दौरान अधिकतर हिस्से में विकेटकीपिंग नहीं की। हालांकि, 27 वर्षीय पंत बेंगलुरु में चौथे दिन बल्लेबाजी के लिए उतरे और शानदार पारी खेली। उन्होंने 105 गेंदों में 9 चौकों और 5 छक्कों की बदौलत 99 रन बनाए। उन्होंने सरफराज खान के साथ चौथे विकेट के लिए 177 रनों की दमदार साझेदारी की। असिस्टेंट कोच ने बल्लेबाज शुभमन गिल को लेकर भी अपडेट दिया, जो पहले टेस्ट में गर्दन में जकड़न के कारण नहीं खेलेंगे। रेयान ने कहा कि गिल भी पुणे टेस्ट मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे।

जय शाह बन सकते हैं तीन साल के लिए अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के चेयरमैन

दुबई, 22 अक्टूबर। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) बोर्ड ने अपने चेयरमैन और स्वतंत्र निदेशक का कार्यकाल दो साल के बजाय तीन साल करने की सिफारिश की है। आईसीसी के सदस्य देश अगर इन सिफारिश को मंजूर कर लेते हैं तो इसका मतलब होगा कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड के सचिव जय शाह तीन साल के लिए विश्व क्रिकेट की सर्वोच्च संस्था के चेयरमैन बनेंगे। शाह इस साल एक दिवसीय को आईसीसी के सर्वोच्च पद का कार्यभार संभालेंगे। आईसीसी बोर्ड की मंजूरी मिलने के बाद वह अपने दूसरे कार्यकाल में अगले तीन साल के लिए भी इस पद पर आसिन हो सकते हैं। शाह के पहले कार्यकाल का बड़ा हिस्सा बीसीसीआई में उनके अगले साल सितंबर में शुरू होने वाले तीन साल के 'कूलिंग ऑफ पीरियड' के साथ चलेगा। आईसीसी बोर्ड की बैठक के दौरान महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए भी कुछ फैसले किए गए। वैश्विक संस्था ने महिला एसीएसिए सदस्य टी20 प्रतियोगिताओं को एक श्रृंखला की भी मंजूरी दी। आईसीसी ने बयान में कहा, "हमारी



योजना 2025 और 2028 के बीच दो वार्षिक टी20 अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट की शुरुआत करना है जिससे कि आईसीसी

महिला टी20 विश्व कप में टीमों की संख्या बढ़ाई जा सके।" आईसीसी बोर्ड ने 2025 से लेकर 2029 तक महिलाओं के भविष्य के दौरा कार्यक्रम को भी मंजूरी दी जिसे जल्द ही प्रकाशित किया जाएगा। बयान के अनुसार, "आईसीसी मुख्य कार्यकारी समिति ने इसे भी मंजूरी दे दी है कि महिलाओं की रैंकिंग का वार्षिक अपडेट अब प्रत्येक वर्ष एक अक्टूबर से एक मई तक चलेगा और टीमों को अब कम से कम आठ मैच खेलने होंगे जो महिला अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

जेमिमा रोड्रिग्स के पिता पर लगा धर्मांतरण का आरोप, खार जिमखाना की मेंबरशिप हुई रद्द



नई दिल्ली, 22 अक्टूबर। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की खिलाड़ी जेमिमा रोड्रिग्स के पिता पर धर्मांतरण का आरोप लगा है। रिपोर्ट्स के अनुसार उनके पिता ने मुंबई के खार जिमखाना क्लब के कुछ हिस्से को बुक किया और फिर उसमें कुछ लोगों का धर्म परिवर्तन कराया। इस वजह से जेमिमा रोड्रिग्स की सबसे पुराने क्लब में शामिल खार जिमखाना की मेंबरशिप रद्द कर दी गई।

चोटिल ओसाका हांगकांग ओपन से हटी

हांगकांग, 22 अक्टूबर। चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन जापान की नाओमी ओसाका ने चोट के कारण हांगकांग ओपन टेनिस चैंपियनशिप से हटने की घोषणा की है। हांगकांग, चीन टेनिस संघ (एचकेसीटीए) ने सोमवार को जारी एक बयान में कहा कि पूर्व



विश्व नंबर वन ओसाका टूर्नामेंट में भाग नहीं लेंगी। उन्होंने कहा, ओसाका ने पुष्टि की है कि वह अभी भी टूर्नामेंट में भाग लेंगी और इस आयोजन के दौरान अपने हांगकांग टेनिस प्रशंसकों से मिलने सहित कई गतिविधियों में भाग लेंगी। बयान में नाओमी को हवाले से कहा गया, मुझे वास्तव में खेद है कि मुझे प्रूडेंसियल हांगकांग टेनिस ओपन और इस टूर्नामेंट से बाकी हिस्सों में प्रतिस्पर्धा करने से हटना पड़ा है। उन्होंने कहा मुझे टूर्नामेंट में जाना बहुत पसंद है और खेलने में असमर्थ होने की निराशा होने के बावजूद मैं अपने सभी अद्भुत हांगकांग प्रशंसकों को आश्रय करना चाहता हूँ कि मैं अभी भी इस कार्यक्रम में भाग लूँगी। मैं आप सभी से मिलने के लिए बहुत उत्सुक हूँ।

जनरल अमर सिंह कानोता कप टूर्नामेंट आज से आरपीसी और कानोता पोलो / स्पेक्ट्रम पोलो के बीच मुकाबला

जयपुर, 22 अक्टूबर। जनरल अमर सिंह कानोता कप (04 गोल) टूर्नामेंट का पहला मैच आरपीसी और कानोता पोलो/स्पेक्ट्रम पोलो के बीच शाम 5.00 बजे मैच खेला जाएगा जिसमें आरपीसी की ओर से सिद्धार्थ सिंह, लोकेश्वर सिंह धिरावत, रणशेखर पुरोहित, रणशेखर सिंह राठौड़ और कानोता पोलो/स्पेक्ट्रम पोलो की ओर से डॉ. शिवांगी सिंह, प्रयाग सिंह कानोता, कुलदीप सिंह राठौड़, मजीन खेलेंगे। टूर्नामेंट में चार टीमों में खेलेगी जिन्हें दो टूर्नामेंट में बांटा गया है, पूल ए में आरपीसी और कानोता पोलो/स्पेक्ट्रम पोलो और पूल बी में जयपुर टीम और बी पोलो को रखा गया है। मैच के एम्पायर मार्टिन स्कॉटीचीनी और आर्यन सिंह और रेफ्री यनजॉन होंगे।

सीनियर पुरुष फुटबॉल चैंपियनशिप का फाइनल आज

राजस्थान पुलिस का गंगानगर से, जैसलमेर का हनुमानगढ़ से सेमीफाइनल मुकाबला होगा

जयपुर, 22 अक्टूबर। जयपुर के विद्याधरनगर फुटबॉल स्टेडियम में चैंपियनशिप के चौथे दिन सात मैच खेले गए क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में कड़ी टक्कर देखने को मिली। राजस्थान फुटबॉल एसोसिएशन के सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि आज तीन प्री क्वार्टर फाइनल और चार क्वार्टर फाइनल मुकाबले खेले गए। आज का पहला मैच राजस्थान पुलिस और जयपुर के बीच हुआ एक कड़े संघर्षपूर्ण मुकाबले में राजस्थान पुलिस ने जयपुर को पैनल्टी शूटआउट में 4-3 से हराया। दूसरे मैच झुंझुनू और राजसमंद के मध्य खेला गया जिसमें राजसमंद ने झुंझुनू को 2-0 से हराया। तीसरा मैच अजमेर और श्री गंगानगर और अजमेर के बीच खेला गया एक कड़ी टक्कर के मुकाबले में श्री गंगानगर ने अजमेर को 1-0 से हराया। चौथा मैच कोटा और दौसा के बीच खेला गया जिसमें कोटा ने दौसा को एक आसान मुकाबले में 10-3 से हराया। पांचवा मैच टूर्नामेंट का पहला



क्वार्टर फाइनल जो हनुमानगढ़ और भीलवाड़ा के बीच खेला गया जिसमें एकरफा मुकाबले में हनुमानगढ़ ने भीलवाड़ा को 6-0 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। दूसरा क्वार्टर फाइनल



बांग्लादेश के तीन विकेट झटक कर दक्षिण अफ्रीका ने मैच पर बनाई मजबूत पकड़

मीरपुर, 22 अक्टूबर। काइल वेरेन (114) और वियान मुल्डर (54) रनों की शानदार पारियों के बाद गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन मंगलवार को पहली पारी में 308 के स्कोर के साथ 202 रन की बढ़त साथ बांग्लादेश के दूसरी पारी में 101 रन पर तीन विकेट झटक कर मैच पर अपनी पकड़ बना ली है।

दक्षिण अफ्रीका 308 के स्कोर पर रोकेने के बाद दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश की शुरुआत अच्छी नहीं रही। तीसरे ही ओवर में कगिसो रबाडा ने शादमान इस्लाम (एक) को आउट कर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद मोमिनुल हक (शून्य) को अपना शिकार बना लिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान नजमुल शाहो ने पारी को संभालने का प्रयास किया। 19वें ओवर में केशव महाराज ने शाहो को (23) रन पर पनाबाधा आउट कर दिया।



दिन का खेल खराब रोशनी के कारण रोके जाने पर बांग्लादेश ने दूसरी पारी में तीन विकेट पर 101 रन बना लिये हैं। हालांकि वह अभी पहली पारी के आधार 101 रन पीछे है। महमुदुल हसन जाय (नाबाद 38) और मुशाफिकुर रहीम (नाबाद 31) क्रीज

पर मौजूद थे। दक्षिण अफ्रीका की ओर कगिसो रबाडा ने दो विकेट लिये। केशव महाराज को एक विकेट मिला। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने आज कल के छह विकेट पर 140 के स्कोर से आगे खेला शुरू किया। 227 के स्कोर पर

वियान मुल्डर के रूप में दक्षिण अफ्रीका का सातवां विकेट मिला। इसी स्कोर पर केशव महाराज भी आउट कर पवेलियन लौट गये। दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी की शुरुआत भी बहुत ज्यादा अच्छी नहीं रही। मेहमान टीम ने भी 108 रन पर अपने आठ विकेट गवा दिए थे। इसके बाद विकेटकीपर बल्लेबाज काइल वेरेन (114) और वियान मुल्डर (54) के बीच हुई 119 रनों की साझेदारी की। इसके बाद वेरेन और डेन पीट के बीच नौवें विकेट के लिये हुए 63 रन की साझेदारी की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने 300 रन का आंकड़ा पार किया।

दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी 88.4ओवर में 308 रन पर सिमट गई। बांग्लादेश की ओर से तैजुल इस्लाम ने पांच विकेट लिये। हसन महमूद को तीन विकेट मिले। मेहदी हसन रिजा ने दो बल्लेबाजों को आउट किया। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने बांग्लादेश की पहली पारी को 106 रन के स्कोर पर समेट दिया था।

फिटनेस और ताकत को बेहतर करने के लिए कराटे का सहारा ले रही है गोल्फर दीक्षा डागर



गुरुग्राम, 22 अक्टूबर। ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व कर चुकी गोल्फ खिलाड़ी दीक्षा डागर ने कहा कि वह ओपन खेल के शीर्ष पर पहुंचने के लिए ताइक्वांडो और कराटे का सहारा लेकर अपनी फिटनेस और ताकत को बढ़ा रही है। गुरुवार से यहां शुरू हो रहे ह्योरो बुमस इंडियन ओपन गोल्फ में भाग ले रही 23 साल की खिलाड़ी पेरिस ओलंपिक में अपनी स्पर्धा से पहले सड़क दुर्घटना का शिकार हो गई थी और इसका असर उनके खेल पर भी पड़ा था। इंडियन बुमस ओपन गोल्फ के पिछले आयोजन में तीसरे स्थान पर रही दीक्षा ने यहां से बातचीत में कहा,

"मैं अपनी फिटनेस के साथ ताकत हासिल करने पर काम कर रही हूँ। मैं इसके लिए कराटे सीख रही हूँ और नियमित तौर पर जिम जा रही हूँ।" अपने पेशेवर करियर में तीन खिताब जीतने वाली दीक्षा ने कहा, "मैंने एक सुबह पार्क में जाँगिंग करते समय कुछ बच्चों को कराटे करते हुए देखा और फिर मैंने भी इसे सीखना शुरू कर दिया। इस युवा खिलाड़ी ने कहा कि पेरिस में सड़क दुर्घटना का उनके खेल पर नकारात्मक असर पड़ा था।

ओलंपिक में साथ डेफ्लॉपिक्स हिस्सा लेने वाली दीक्षा की इस इकलौती खिलाड़ी ने कहा, "ओलंपिक में हिस्सा लेना मेरे लिये एक अनुभव था। दुर्घटना में मुझे ज्यादा चोट नहीं लगी थी लेकिन मेरी माँ अचानक से चोट से उबर रही हैं।" हादसे से हालांकि मेरा खेल प्रभावित हुआ था। मेरी माँ वहाँ अस्पताल में थी और अभ्यास सत्र के दौरान मुझे भी पिला का साथ नहीं मिला।

2026 के राष्ट्रमंडल खेल से क्रिकेट, हॉकी सहित नौ खेल हुए बाहर

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर। स्कॉटलैंड (स्कॉटलैंड) में कराने का फैसला लिया गया। राष्ट्रमंडल खेल संघ की मुख्यालय केटी सडलियर ने एक बयान जारी करते हुए कहा, हम राष्ट्रमंडल खेलों को फिर से स्थापित और परिभाषित करना चाहते हैं। 2026 का आयोजन इसी दिशा में पहला कदम होगा। हम भविष्य में एक लचीला और टिकाऊ खेल आयोजन चाहते हैं, जो पर्यावरण के लिए सहायक होने के साथ-साथ एक सामाजिक प्रभाव भी डाले। हमने खेलों की संख्या को इसलिए भी कम किया है, ताकि भविष्य में छोटे देश भी इन खेलों की मेजबानी कर सकें। ये बजट फ्रेंडली खेल भी होंगे।

पहले यह राष्ट्रमंडल खेलों के ऑस्ट्रेलिया में आयोजित होने वाले थे। लेकिन पिछले वर्ष ऑस्ट्रेलिया की सरकार ने आयोजन से इनकार कर दिया। इसके बाद गेम्स को ग्लासगो (स्कॉटलैंड) में कराने का फैसला किया गया। राष्ट्रमंडल खेल संघ की मुख्यालय केटी सडलियर ने एक बयान जारी करते हुए कहा, हम राष्ट्रमंडल खेलों को फिर से स्थापित और परिभाषित करना चाहते हैं। 2026 का आयोजन इसी दिशा में पहला कदम होगा। हम भविष्य में एक लचीला और टिकाऊ खेल आयोजन चाहते हैं, जो पर्यावरण के लिए सहायक होने के साथ-साथ एक सामाजिक प्रभाव भी डाले। हमने खेलों की संख्या को इसलिए भी कम किया है, ताकि भविष्य में छोटे देश भी इन खेलों की मेजबानी कर सकें। ये बजट फ्रेंडली खेल भी होंगे।

वार्नर भारत के खिलाफ खेलने के लिए संन्यास से वापसी करने को तैयार

सिडनी, 22 अक्टूबर। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर ने कहा कि अगर उनकी टीम को जरूरत होगी तो वह संन्यास से वापस आकर आगामी बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारत के खिलाफ खेलने को तैयार है। इस 37 साल के पूर्व खिलाड़ी ने इस साल पाकिस्तान के खिलाफ घरेलू टेस्ट श्रृंखला के बाद संन्यास की घोषणा की थी। वार्नर ने पाकिस्तान के खिलाफ अपने आखिरी टेस्ट में 34 और 57 रन की पारी खेली थी। इस वापस बल्लेबाज ने 'क्रोड स्पोर्ट्स' से कहा, "मैं हमेशा उपलब्ध रहता हूँ, बस फोन उठाना बाकी है।

जर्मनी को हराकर प्रशंसकों का दिल जीतने के इरादे से मैदान में उतरेगा भारत

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर। हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली भारतीय हॉकी टीम जर्मनी के साथ बुधवार से शुरू होने जा रही द्विपक्षीय सीरीज के पहले मुकाबले में मेहनमान टीम को हराकर प्रशंसकों का दिल जीतने के लिए इरादे से मैदान में उतरेगी। कल होने वाला यह मुकाबला भारतीय हॉकी टीम के लिए ही नहीं उनके दक्षिण अफ्रीकी कोच ब्रेग फुल्टन के लिए 29 वर्ष बाद एक विशेष पहसास लेकर आयेगा। फुल्टन का 21 साल की उम्र में 1995 में इंदिरा गांधी गोल्ड कप में अंतर्राष्ट्रीय हॉकी का पदार्पण मैच इसी स्टेडियम में आयोजित हुआ था।

अंडर-23 सीके नायडू ट्रॉफी राजस्थान-बंगाल मैच

राजस्थान के गेंदबाज मोहित चांगरा, चेतन शर्मा व हिमांशु नेहरा की शानदार गेंदबाजी

जयपुर, 22 अक्टूबर। राजस्थान क्रिकेट संघ की मेजबानी में जयपुर में के एल सीनी स्टेडियम मानसरोवर पर खेले जा रहे राजस्थान-बंगाल अंडर 23 सी के नायडू ट्रॉफी (मटरी डेज) मैच के तीसरे दिन राजस्थान के गेंदबाजों का शानदार प्रदर्शन। राजस्थान पहली पारी 276 आल आउट राजस्थान टीम के लिए सचिन यादव 76, मुकुल चौधरी 71, राज शर्मा 50, करण लाम्बा 20, हिमांशु नेहरा 20, सुमित गोदार 14 रनों का योगदान दिया। बंगाल पहली पारी 352 आल आउट राजस्थान के गेंदबाज मोहित चांगरा 50/4, चेतन शर्मा 60/3 व हिमांशु नेहरा 88/3 विकेट प्राप्त किये। राजस्थान क्रिकेट संघ की 48/4 मैच के तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक राजस्थान ने अपनी दूसरी पारी में 4 विकेट के नुकसान पर 48 रन बना लिए थे।

आर.के. चतुर्वेदी मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट

जयपुरिया क्रिकेट अकादमी व आर.के. स्पोर्ट्स क्रिकेट अकादमी के बीच फाइनल



जयपुर, 22 अक्टूबर। आर के चतुर्वेदी मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट का पहला सेमीफाइनल मुकाबला जो आर अकादमी व आर के स्पोर्ट्स अकादमी के बीच खेला गया। जिसमें आर के स्पोर्ट्स अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 210/6 रन बनाए। जिसमें अरजित गुप्ता ने 58 व सचिन काकोडिया ने 40 और मनीष टॉक ने नाबाद 35 रनों का योगदान दिया। जो आर अकादमी की ओर से गेंदबाजी में शुभम पटवाल को 2 विकेट मिले। लक्ष्य का पीछा करने उतरी जो आर क्रिकेट अकादमी 19.2 औवर में 185 रन पर ऑल आउट हो गईं। जिसमें प्रवीण कुमार ने 75 व रजत कुमार ने 27 रन का योगदान दिया। आर के स्पोर्ट्स अकादमी की ओर से गेंदबाजी में हितेश को 3 विकेट व महेंद्र महरा और आयुष गुर्जर को 2 - 2 विकेट मिले। मैन ऑफ द मैच-हितेश।

आर के चतुर्वेदी मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट का दूसरा सेमीफाइनल जयपुरिया क्रिकेट अकादमी व सुराणा क्रिकेट अकादमी के बीच खेला गया जिसमें जयपुरिया क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 187/8 रन बनाए। जिसमें जुबेर अली खान ने 82 व आप्ताबुद्दीन ने 46 रनों का योगदान दिया। सुराणा क्रिकेट अकादमी की ओर से प्रशांत यादव को 3 विकेट व विकास मीना और विनय शर्मा को 2 - 2 विकेट मिले। लक्ष्य का पीछा करने उतरी सुराणा क्रिकेट अकादमी 122/7 रन ही बना सकी जिसमें भगवत सिंह ने 47 रन व विकास मीना ने 30 रन का योगदान दिया। जयपुरिया क्रिकेट अकादमी की ओर से गेंदबाजी में नवीन चौधरी को 3 विकेट और हेमन्त भारद्वाज को 2 विकेट मिले। मैन ऑफ द मैच-जुबेर अली खान।

सतीश पूनिया दो दिन जोधपुर, बाड़मेर, जैसलमेर रहेंगे

जयपुर, 22 अक्टूबर भाजपा हरियाणा प्रभारी एवं राजस्थान के पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया 23 और 24 अक्टूबर को जोधपुर, बाड़मेर, जैसलमेर के दो दिवसीय प्रवास पर रहेंगे।

सतीश पूनिया मारवाड़ के दो दिवसीय प्रवास पर मारवाड़ क्षेत्र के दिवंगत नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के यहां शोक संवेदना व्यक्त करने जाएंगे तथा रामदेवराम में रामदेव महाराज और जैसलमेर में तनोद माता के दर्शन कर आशीर्वाद लेंगे। इस दौरान सतीश पूनिया नवजात कन्याओं के, सुकन्या समृद्धि योजना के खाते खुलवाने का शुभारंभ करेंगे, इसके अलावा वे वृक्षारोपण इत्यादि सामाजिक सरोकारों के

वे रामदेवरा तथा तनोद माता के दर्शन करेंगे व सुकन्या समृद्धि खाते खुलवाने का शुभारंभ करेंगे।

कार्यक्रमों में भी हिस्सा लेंगे।

डॉ. पूनिया 23 अक्टूबर को प्रातः जोधपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे, जिसके बाद वे, ओसियां, लोहावट, फलींदी, रामदेवरा व कश्मीर (शिव) जाएंगे, फिर बाड़मेर के सकिंट हाउस में रात्रि विश्राम करेंगे।

डॉ. पूनिया बाड़मेर राजकीय चिकित्सालय में नवजात कन्याओं के

सुकन्या समृद्धि खाते खोलने का शुभारंभ करेंगे। इसके बाद वे बी.एस.एफ. के सहयोग में गडरा रोड में वृक्षारोपण कार्यक्रम में शामिल होने के बाद श्री भगवान गौशाला जाएंगे और शाम को तनोद माता मंदिर की आरती में शामिल होंगे।

पिछले वर्ष भी सतीश पूनिया ने 24 अक्टूबर को बांसवाड़ा जिले के त्रिपुरा सुंदरी मालाजी मंदिर से सुकन्या समृद्धि योजना के तहत नौ कन्याओं के खाते खुलवाने का शुभारंभ किया था, जो पूरे प्रदेश में एक बड़ा सामाजिक अभियान बना, जिसमें प्रदेशभर के पार्टी कार्यकर्ताओं ने 60 हजार से अधिक कन्याओं के सुकन्या समृद्धि योजना में खाता खुलवाए थे।

झारखंड में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

महत्वाकांक्षी रख अपनाया हुआ है।

इण्डिया ब्लॉक पार्टियाँ यदि एक सर्वमान्य सीट शेयरिंग फॉर्मूला को अंतिम रूप देने में असफल रही तो स्वाभाविक रूप से इसका लाभ भाजपा को होगा। जिसकी राज्य में जड़ें काफी गहरी हैं। चम्पई सोरेन के जाने के बाद झारखण्ड मुक्ति मोर्चा आंतरिक संकट से जूझ रहा है और पर्यवेक्षक मानते हैं कि हेमंत सोरेन का "सिम्पैथी फैक्टर" ही पार्टी को जीत दिलाने में सक्षम नहीं होगा। सिर्फ इसी के भरोसे पार्टी बहुमत आंकड़े तक नहीं पहुँच सकती है, खासकर सहयोगियों के असहयोगी रवैये के कारण। सीटों के बंटवारे पर इण्डिया गठबंधन में वाता चल रही है। पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता आश्विन नहीं लग रहे हैं।

जैसलमेर में कृत्रिम गर्भाधान से गोडावण के बच्चा हुआ

ऐसा करने वाला भारत विश्व में पहला देश, लुप्त होती दुर्लभ प्रजाति को बचाने की आस जगी

जैसलमेर, 22 अक्टूबर (नि.सं.)। जैसलमेर जिले के सुदासरी गोडावण ब्रीडिंग सेंटर में कृत्रिम गर्भाधान (आर्टिफिशल इनसेमिनेशन) से गोडावण के बच्चा पैदा हुआ है। दावा किया जा रहा है कि ऐसा करने वाला भारत दुनिया का पहला देश है। अब इस प्रक्रिया से लुप्त होने जा रही इस दुर्लभ प्रजाति को बचाया जा सकेगा।

प्रभागीय वन अधिकारी (डी.एफ.ओ.) आशीष व्यास ने बताया कि पहली बार गोडावण को कृत्रिम गर्भाधान की



जैसलमेर जिले के सुदासरी गोडावण ब्रीडिंग सेंटर में आर्टिफिशल इनसेमिनेशन पद्धति से गोडावण चूजे का जन्म हुआ।

रामदेवरा ब्रीडिंग सेंटर में सुदा नामक मेल गोडावण के स्पर्म इकट्ठे किये गये। स्पर्म सुदासरी ब्रीडिंग सेंटर ले जाकर 20 सितम्बर को टोनी नामक मादा गोडावण को कृत्रिम गर्भाधान कराया गया। टोनी ने 24 सितम्बर को अंडा दिया, 16 अक्टूबर को गोडावण का चूजा बाहर आया। एक हफ्ते आर्ब्रविशन में रख कर मेडिकल टेस्ट किये गये, चूजा स्वस्थ है।

मदद से प्रजनन करवाकर पैदा किया गया है। अब गोडावण का स्पर्म बैंक बनाने और उसकी जनसंख्या बढ़ाने में मदद मिल सकेगी। व्यास ने बताया कि 'इंटरनेशनल फंड फॉर हुबारा कंजर्वेशन फाउंडेशन, अबु धाबी' में लिलोर पक्षी पर इस तरह का परीक्षण किया गया और वो सफल रहा। भारत के वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के वैज्ञानिक भी पिछले साल वहां गए और इस तकनीक को सीखा। इसके बाद गोडावण

फोसदी हिस्सा रेत के टीलों के रूप में है। जैसलमेर जिले के म्याजलार सहित, अन्य गांव डेजर्ट नेशनल पार्क क्षेत्र में होने की वजह से वहां के रहवासियों को मूलभूत सुविधा देने में प्रशासन को अड़चन आ रही है। व्यास ने बताया कि जैसलमेर में वर्तमान में गोडावण की संख्या 173 है, जिनमें से 128 गोडावण तो फील्ड में

द्रव्यवती नदी रेस्टोरेशन प्रोजेक्ट के लिए टाटा को भुगतान देने पर फैसला सुरक्षित

जयपुर, 22 अक्टूबर (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने टाटा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड-एस.यू.सी.जी. कंपनी को द्रव्यवती नदी को पुनर्जीवित करने और आधारभूत ढांचा बनाने के संबंध में 52 करोड़ के शेष भुगतान की राशि नहीं देने के मामले में सुनवाई करते हुए अपना फैसला सुरक्षित रखा है। न्यायाधीश सुदेश बंसल की एकल पीठ ने जे.डी.ए. की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। इस मामले में जे.डी.ए. की ओर से अधिवक्ता

हाईकोर्ट ने जे.डी.ए. की याचिका पर इस 1400 करोड़ रुपये के टैंडर में से शेष 52 करोड़ रुपये के विवाद पर फैसला सुरक्षित रखा।

जे.डी.ए. इस प्रोजेक्ट के लिए टाटा कंपनी को 1365 करोड़ रु. का भुगतान पहले ही कर चुका है।

आरोप है कि टाटा ने 47.5 किलोमीटर लंबी नदी के तीन हिस्सों में तल को समतल कर पक्का बनाने का काम नहीं किया। हालांकि जब यह मामला आर्बिट्रेशन में गया था तो टाटा के पक्ष में ही अर्वाइड आया था। इसके बाद जे.डी.ए. ने आर्बिट्रेशन अर्वाइड को कमर्शियल कोर्ट में चुनौती दी थी। कमर्शियल कोर्ट ने जे.डी.ए. को अर्वाइड के आधार पर 52 करोड़ की 50 प्रतिशत की राशि को जमा करने के आदेश दिये थे। इसके खिलाफ जे.डी.ए. ने हाईकोर्ट में रिट याचिका दायर की थी।

अनुरूप सिंधी पैरवी के लिये पेश हुए थे, वहीं टाटा की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कमलाकर शर्मा और अधिवक्ता शिवांशु नवल पैरवी के लिये पेश हुए थे। मामले के तथ्यों के अनुसार,

उपभोक्ता आयोग ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रार्थना पत्र में कहा गया कि उसने आई.सी.आई.सी.आई. बैंक से मेडिकल बीमा लिया था। उसके हदय रोग होने के चलते इलाज पर लाखों रुपए खर्च हुए।

जब बैंक ने बीमा राशि देने से इनकार किया तो परिव्रादी ने वर्ष 2012 में आयोग के समक्ष परिव्राद पेश किया, जिस पर सुनवाई करते हुए आयोग ने 1 फरवरी, 2012 को बैंक को आदेश देते हुए परिव्रादी को 9.50 लाख रुपए नौ फोसदी ब्याज सहित अदा करने को कहा। इसके साथ ही आयोग ने बैंक पर दस हजार रुपए का हजाना भी लगाया।

इस आदेश के खिलाफ बैंक ने राज्य आयोग में अपील की, जिसे आयोग ने 17 अप्रैल, 2015 को खारिज कर दिया। वहीं, बाद में राष्ट्रीय आयोग ने भी मई, 2018 में बैंक को अपील को निरस्त कर दिया। इसके बावजूद, अब तक आदेश की पालना नहीं हुई। प्रार्थना पत्र में गुहार की गई कि बैंक की संपत्ति को नीलाम कर परिव्रादी को भुगतान दिलाया जाए। याचिका पर सुनवाई करते हुए आयोग ने बैंक की संपत्ति को कुर्क करने के आदेश दिए हैं।

शिवसेना...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हटाना पड़ता है।" कांग्रेस पर खुला कटाक्ष करते हुये, राउत ने कहा, "कांग्रेस एक राष्ट्रीय दल है। यह पार्टी भाजपा से भी बड़ी है। उनकी हाई कमान दिल्ली में है, उनकी बातचीत चल रही है। महाराष्ट्र के सभी नेता हमारे मित्र हैं।" लेकिन, उन्होंने अपने मित्र दल कांग्रेस को विशिष्ट परामर्श देने से बचते हुये कहा, "मैं उन्हें क्या मार्गदर्शन दे सकता हूँ, उनका मार्गदर्शन करने वाले बहुत से लोग हैं।" दो सौ अठासी सदस्यों वाली महाराष्ट्र विधानसभा के लिये मतदान 20 नवम्बर को, तथा मतगणना 23 नवम्बर को होनी है।

केन्द्रीय गृह...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

याचिका में कहा गया कि अदालती आदेश की पालना में सी.आर.पी.एफ. ने उसे सेवा में बहाल तो कर दिया, लेकिन उसे सेवा परिलाभ नहीं दिए। सी.आर.पी.एफ. का यह कृत्य अदालती आदेश की अवमानना की श्रेणी में आता है।

ऐसे में उसे सेवा परिलाभ दिलाए जाएं और दोषी अवमाननाकर्ता अफसरों पर कार्रवाई की जाए। याचिका पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

बजरंग पूनिया ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को एकजुट करेंगे और किसानों के संघर्ष के लिए एक बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कई गैर राजनैतिक किसान संगठन हैं। देश की कुल आबादी के 52 प्रतिशत किसान हैं और अगर भारत विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बन भी गया तो भी इससे किसानों को लाभ नहीं होगा।

सेबी चीफ माधवी पुरी बुच को...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इस प्रकरण की समीक्षा में, सरकार को कोई पैसा का कोई अवैध लेन-देन नहीं पाया गया, तथा इस बात की पुष्टि की गई कि बुच ने सभी जरूरी ड्यूज अदा कर दिये थे। आई.सी.आई.सी.आई. बैंक ने स्पष्ट किया कि अक्टूबर 2013 में हुई उनकी सेवानिवृत्ति के बाद, बुच ने कोई वेतन या ई.एस.ओ.पी. नहीं लिया, उद्योग क्षेत्र के नियमों के अनुसार केवल मान्य सेवानिवृत्ति लाभ ही लिये थे।

बुच ने 12 साल तक आई.सी.आई.सी.आई.सी.आई. को अपनी सेवाएं दीं। इनमें से दो वर्ष वे आई.सी.आई.सी.आई. सिस्व्यूरीटीज की सी.ई.ओ. रहें। बुच के खिलाफ तीसरा मोर्चा उस

समय खोला गया, जब सेबी के कर्मचारियों ने वित्त मंत्रालय को पत्र भेजकर, उन पर, उनके नेतृत्व में जहरीली कार्य-संस्कृति का आरोप लगाया। इन शिकायतों से सेबी तथा राजनैतिक हलकों में चिन्ता पैदा हो गई थी। कर्मचारियों ने नेतृत्व पर कर्मचारियों से गाली-गलौच करने तथा डांटने-फटकारने का आरोप लगाया था, जिसके चलते प्रबन्धन के बारे में कर्मचारियों को बहुत शिकायतें थी।

सरकार ने इस मामले को छान-बीन की तथा कर्मचारियों से बातचीत की। इस मुद्दे का समाधान तब हुआ, जब सेबी के शीर्ष नेतृत्व से कहा गया कि वह स्टाफ के प्रति ज्यादा संवेदनशील बनें। सरकारी सूत्रों ने कहा

कि यह भी सम्भव है कि यह असंतोष बुच द्वारा सेबी में किये गये सुधारों के कारण पैदा हुआ हो, क्योंकि व्यवस्था को सफाई के बुच के प्रयासों का प्रतिरोध हुआ था।

सारे बिन्दुओं पर विचार करने के बाद, सरकार ने निर्णय लिया है कि बुच अपना कार्यकाल पूरी करेंगे, जो 28 फरवरी, 2025 को समाप्त होगा।

जे.पी.सी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कारण पूरी मीटिंग पटरी से उतर गई। कल्याण बनर्जी को जे.पी.सी. चेयरमैन जनार्दनिका पाल पर कांच की बोतल फेंकने की कोशिश के आरोप पर निलम्बित कर दिया गया है।

सांसद नारायण राणे के पुत्र भाजपा छोड़ शिन्दे के साथ जायेंगे

मुंबई, 22 अक्टूबर महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव 2024 के लिए सभी राजनैतिक दल अपनी-अपनी तैयारियां में लगे हुए हैं। महायुति और महा विकास अघाड़ी, दोनों गठबंधन जल्द ही अपने उम्मीदवारों के नाम की घोषणा करने जा रहे हैं। हालांकि, चुनाव से ठीक पहले भारतीय जनता पार्टी के सांसद नारायण राणे के बेटे नीलेश राणे ने बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा है कि वह भाजपा छोड़कर एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल होने जा रहे हैं।

नीलेश राणे ने मंगलवार को इस बात की जानकारी दी कि वे एकनाथ शिंदे की शिवसेना में शामिल होंगे। नीलेश ने बताया है कि वे महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में कुदाल सीट से चुनाव लड़ेंगे। सूत्रों के मुताबिक, महायुति गठबंधन में हुए सीट बंटवारे के तहत, कुदाल सीट शिवसेना के खाते में जाएगी। यही कारण है कि नीलेश भाजपा से शिवसेना में शामिल होंगे। महाराष्ट्र की कुदाल विधानसभा सीट

कहते हैं कि कुदाल विधानसभा सीट बंटवारे में शिवसेना (शिन्दे) को मिलेगी। इस सीट से चुनाव लड़ने के लिये नारायण राणे के पुत्र नीलेश राणे शिवसेना (शिन्दे) में शामिल होंगे।

शिंदे की शिवसेना में शामिल होंगे। नीलेश ने बताया है कि वे महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में कुदाल सीट से चुनाव लड़ेंगे। सूत्रों के मुताबिक, महायुति गठबंधन में हुए सीट बंटवारे के तहत, कुदाल सीट शिवसेना के खाते में जाएगी। यही कारण है कि नीलेश भाजपा से शिवसेना में शामिल होंगे। महाराष्ट्र की कुदाल विधानसभा सीट

गोडावण का चूजा बाहर आया। करीब एक हफ्ते तक चूजे को ऑक्सीजन में रखा गया और उसके सभी मेडिकल टेस्ट किए गए, अब चूजा स्वस्थ है। व्यास ने बताया कि गोडावण में आर्टिफिशल इनसेमिनेशन (ए.आई.) का यह पहला परीक्षण है। कहा जा रहा है कि बड़ा होने के बाद इस चूजे का नाम 'आई. रेखा' जा सकता है। 'डेजर्ट नेशनल पार्क जैसलमेर और बाड़मेर जिलों की तीन हजार 162 किमी भूमि पर स्थित पार्क का लगभग 44

यू.ए.ई. ने राजस्थान... को बम ब्लास्ट की धमकी

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एक कदम आगे बढ़कर 'संयुक्त अरब अमीरात सरकार' द्वारा सरकारी फंड से प्रदेश में निवेश के लिए यह महत्वपूर्ण एम.ओ.यू. किया गया है। इसके तहत राज्य में अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में तीन लाख करोड़ रुपए का निवेश आएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अक्षय ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र और राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही हैं। केन्द्र सरकार ने देश में 500 गीगावॉट सौर ऊर्जा उत्पादन का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए राजस्थान को 250 गीगावॉट के सौर प्लांट लागू होंगे। यू.ए.ई. के साथ यह साझेदारी इस लक्ष्य को हासिल करने में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत और यू.ए.ई. के बीच आर्थिक, वाणिज्यिक और रणनीतिक साझेदारी और गहरी हुई है। यू.ए.ई., भारत का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है, जबकि भारत से होने वाले निर्यात में यू.ए.ई.

दूसरे पायदान पर है। यू.ए.ई. के निवेश मंत्री मोहम्मद हसन अल सुवेदी ने कहा कि नवीकरणीय संसाधनों से ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति करना आज के समय की सबसे बड़ी जरूरत है। पारंपरिक ऊर्जा से अक्षय ऊर्जा की ओर इस बदलाव में यू.ए.ई. महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। राजस्थान की जलवायु और भौगोलिक परिस्थितियां ऊर्जा क्षेत्र में तकनीकी नवाचारों के लिए सर्वथा उपयुक्त हैं।

मुलाकात के दौरान, शर्मा ने आगामी 9 से 11 दिसम्बर तक जयपुर में आयोजित होने जा रहे "राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024" में सुवेदी को आमंत्रित किया। इस अवसर पर उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यकर्धन राठौड़, उद्योग एवं वाणिज्य राज्यमंत्री के के बिश्नोई, मुख्य सचिव सुधांशु पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव ऊर्जा आलोक, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) शिखर अग्रवाल, प्रमुख शासन सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) आलोक गुप्ता सहित, विभिन्न विभागों के उच्चाधिकारी उपस्थित थे।

देश के सभी सीआरपीएफ स्कूलों को बम ब्लास्ट की धमकी

सोमवार की रात देश के कई स्कूलों में यह ईमेल आया था, स्कूलों में सुरक्षा बढ़ी।

मेल में मंगलवार को सुबह 11 बजे तक स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी दी गयी थी। जांच में यह धमकी अफवाह निकली।

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर। सीआरपीएफ के दिल्ली समेत देशभर के कई स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी का मामला सामने आया है। सूत्रों के मुताबिक देश के सभी सीआरपीएफ के स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी देने वाला ईमेल आया है। सोमवार रात ये मेल देश के कई स्कूलों को आया। जांच के बाद स्कूलों में कुछ नहीं मिला। मेल भेजने वाले ने सुबह 11 बजे तक सभी सीआरपीएफ स्कूलों में बम से उड़ाने की धमकी दी थी। मेल भेजने वाले ने पूर्व डीएमके लीडर जफर सादिक की अरेस्ट का जिक्र किया था जिसको एनसीबी और फिर इंडी ने अरेस्ट किया था। दिल्ली के

ईमेल के माध्यम से बम की धमकी मिली थी। इससे परिसरों में दहशत फैल गयी थी। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, बसबनगुड़ी में बंगलुरु इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी और बीएमएस कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग और सदाशिवनगर में एमएस रमैया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी को दोपहर करीब 1 बजे ईमेल के जरिए बम की धमकी मिली। पुलिस ने बताया कि इससे एक दिन पहले नौ शैक्षणिक संस्थानों को एक ईमेल मिला था जिसमें दावा किया गया था कि उनके परिसरों में बम लगाए गए हैं और तलाशी के बाद यह धमकी अफवाह निकली।

जिन दो सीआरपीएफ स्कूलों को बम ले उड़ाने की धमकी मिली थी उनमें से एक रोहिणी और एक टाकरा में है। इस मेल का रोहिणी के प्रशांत विहार में हुए धमका से कोई लिंक नहीं है। सूत्रों के मुताबिक, यह धमकी सोमवार देर रात इन स्कूलों के प्रबंधकों को भेजे गए एक ईमेल के

जरिए दी गई। सीआरपीएफ ने इस धमकी के बाद अपने सभी स्कूलों को अलर्ट पर रखने के लिए बोला है। दिल्ली पुलिस ने भी सीआरपीएफ स्कूलों के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। चार अक्टूबर को बंगलुरु के तीन इंजीनियरिंग कॉलेजों को